

सीएम योगी को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि जैसे आज पूरी दुनिया के लिए भारत आशा का केंद्र बन गया है

(आधुनिक समाचार सेवा) लखनऊ। सीएम योगी को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि जैसे आज पूरी दुनिया के लिए भारत आशा का केंद्र बन गया है। इसके बाद आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी संबोधित करेंगे। इसके बाद आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखर बोलेंगे। डिक्शन टेक्नोलॉजी के चेयरमैन सुनील वधानी और विकास किया है। 11 ग्लोबल इन्वेस्टर समिट उद्घाटन सत्र को सबसे पहले रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी संबोधित करेंगे। इसके बाद आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला और टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखर बोलेंगे। डिक्शन टेक्नोलॉजी के चेयरमैन सुनील वधानी और

जयूरिख एयरपोर्ट एरिया के सीईओ डेनियल भी अपनी बात रखेंगे। सभी उद्योगपतियों को तीन-तीन मिनट का समय दिया गया है। उद्योगपतियों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन होगा। फिर राजनाथ सिंह बोलेंगे और अंत में पीएम मोदी संबोधित करेंगे।



प्रदेश सरकार द्वारा लखनऊ में आयोजित "उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआईएस) 2023 कार्यक्रम का कलेक्टिव स्थित संगम सभागार में किया गया सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार सेवा) लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के तारतम्य में जनपद में "जिला स्तरीय निवेश कुंभ" कार्यक्रम का किया गया आयोजन जनपद में प्राप्त 53021.30 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव से 66000 से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होने की

से कम के लगभग 140 निवेशक, जनपद के लब्ध प्रतिष्ठित उद्यमी, जनपद के समस्त औद्योगिक संगठनों के अध्यक्ष/सचिव/प्रतिनिधि तथा विश्वविद्यालयों के स्नातक/परास्नातक अन्तिम वर्ष के 20 छात्र/छात्राओं सहित लगभग 200 की संख्या में लोग उपस्थित रहे। जनपद में कुल रू0 53021.30 करोड़ का

गया, जिसका सजीव प्रसारण संगम सभागार में किया गया। माननीय विधायक श्री वाचस्पति, श्री गुरु प्रसाद मौर्या, श्री प्रवीण पटेल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी उद्यमियों/निवेशकों को उनके स्तर से जो भी सहयोग अपेक्षित हो उसे दिये जाने हेतु आश्वासन किया गया। मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत द्वारा जनपद में प्राप्त निवेश के प्रस्तावों पर उद्यमियों का आभार प्रकट करते हुये आश्वासन किया गया कि जनपद स्तर पर निस्तारण योग्य समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से किया जायेगा तथा जो समस्याएँ शासन स्तर की होगी उसे शासन स्तर से निस्तारित कराये जाने का भरोसा दिलाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्राप्त सभी इष्टपेट को धरातल पर



द्वारा जनपद में प्राप्त निवेश के प्रस्तावों पर उद्यमियों का आभार प्रकट करते हुये आश्वासन किया गया कि जनपद स्तर पर निस्तारण योग्य समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से किया जायेगा तथा जो समस्याएँ शासन स्तर की होगी उसे शासन स्तर से निस्तारित कराये जाने का भरोसा दिलाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्राप्त सभी इष्टपेट को धरातल पर

सड़क पर पड़े युवक के शव को बचाने के चक्कर में टेम्पो पलटी

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। नैनी कोतवाली अंतर्गत चाका ब्लाक के समीप रीवा राजमार्ग पर बुधवार रात 11 बजे सड़क दुर्घटना एक युवक की मौत को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। नैनी पुलिस ने अज्ञात में शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। दुर्घटना में घायल सभी लोग

को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। नैनी पुलिस ने अज्ञात में शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। दुर्घटना में घायल सभी लोग



हो गई। मृतक की लाश सड़क पर पड़ी ही थी कि एक विक्रम आ गई। सड़क पर पड़े मृत युवक के बचाने के प्रयास में विक्रम अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे उसमें सवार दंपती समेत सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने सभी घायलों

एक वैवाहिक निमंत्रण में शामिल होने जसरा जा रहे थे। उधर से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद चौकी इंचार्ज उपेंद्र कुमार, एसआई अमित कुमार को लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को तत्काल सीएचसी भेजा।

नैनी में नारियल पानी विक्रेता की हत्या पुलिस ने दोस्त को लिया हिरासत में

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र में पाठक मार्केट के एडीए कालोनी में नारियल पानी विक्रेता की बीती रात हत्या हो गई। सुबह पता चलने पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद मृतक के पार्टनर को हिरासत में ले लिया है। उसके मुंह और नाक से खून निकल रहा था। रात में वह अपने साथी के साथ दारू पिया था। आशंका है कि दारू पीने के बाद ही घटना हुई है। पुलिस का कहना है कि युवक पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। यूपी के बरेली जिले के वाई नंबर 2 मोहल्ला शेखान, टाउन एरिया, शेरगढ़ निवासी मोहम्मद शारिफ खान पुत्र मो. कय्यूम खान प्रयागराज के नैनी एडीए कालोनी में रहता था। 15



जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम राष्ट्रीय मानवाधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो प्रयागराज जिला अध्यक्ष महिला विंग टीम द्वारा मिनटू पार्क मलिन बस्ती कीडगंज प्रयागराज में किया गया

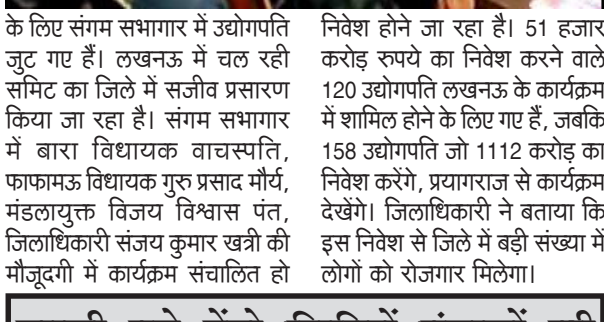
(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम राष्ट्रीय मानवाधिकार क्राइम कंट्रोल ब्यूरो कार्यक्रम की मुख्य प्रवक्ता मनोवैज्ञानिक डॉक्टर इशान्य राज जी ने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर महिलाओं बच्चों व पुरुषों को अनेकों जानकारीयों दी, उन्होंने बताया की बस्ती के बड़े बड़े बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत मानसिक परेशानी इसके लक्षण संबंधित इलाज दिखाना प्रमाणीकरण एवं जिला स्तर पर दी जा रही सुविधा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में प्रयागराज के डॉ राजेश कुमार नोडल अधिकारी एनसीडी सेल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। श्वेता साहू जिला अध्यक्षा और उनकी टीम जिला सलाहकार नीता भारद्वाज वह एक्टिव मेंबर पूनम सिंह जी ने मानव के अधिकारों के बारे में लोगों को जागरूक किया और बताया। यह कार्यक्रम बहुत ही सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।



संगम सभागार में जुटे उद्योगपति

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रयागराज में 53 हजार करोड़ का

रहा है। इस इन्वेस्टर्स समिट में प्रयागराज में 53 हजार करोड़ का



के लिए संगम सभागार में उद्योगपति जुट गए हैं। लखनऊ में चल रही समिट का जिले में सजीव प्रसारण किया जा रहा है। संगम सभागार में बारा विधायक वाचस्पति, फाफामंड विधायक गुरु प्रसाद मौर्या, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की मौजूदगी में कार्यक्रम संचालित हो

निवेश होने जा रहा है। 51 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने वाले 120 उद्योगपति लखनऊ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए हैं, जबकि 158 उद्योगपति जो 1112 करोड़ का निवेश करेंगे, प्रयागराज से कार्यक्रम देखेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इस निवेश से जिले में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा।

आपूर्ति दफ्तर में लगी आग, फायर ब्रिगैड ने एक घंटे में पाया काबू

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। के हंडिया में आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय में संदिग्ध हालात में आग लगने से वहां रखी कुछ फाइलें तथा आवेदन फार्म जलकर राख हो गए त सूचना पर पहुंचे अग्नि शमन द्वारा पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। हंडिया तहसील में मौजूद आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय में संदिग्ध हालात में आग लगी। दफ्तर के अंदर से गुआं निकलते देख मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने दफ्तर का दरवाजा खोला तो धुआं देखकर हड़कंप मच गया। कर्मचारियों द्वारा आग लगने की सूचना पर तत्काल हंडिया फायर स्टेशन को दिए किया गया त जिसके बाद सूचना पर पहुंचे अग्नि शमन कर्मियों द्वारा पानी फेंक कर आग पर काबू पाया गया। सफाई



थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस द्वारा 03 अभियुक्त अन्तर्गत धारा 151/107/116 सीआरपीसी में गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 03 व्यक्तियों 1. विराज सिंह पुत्र सुभाषचन्द्र सिंह निवासी महुवारी थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज, 2. सौरभ पुत्र प्यारेलाल निवासी महुवारी थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज व 3. आदित्य उर्फ साजन भारतीय पुत्र सुरेश कुमार भारतीय निवासी ग्राम पतेवरा थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज को अन्तर्गत धारा 151/107/116 सीआरपीसी गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तगण- 1. विराज सिंह पुत्र सुभाषचन्द्र सिंह निवासी महुवारी थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज, उम्र 25 वर्ष 2. सौरभ पुत्र प्यारेलाल निवासी महुवारी थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज, उम्र 19 वर्ष 3. आदित्य उर्फ साजन भारतीय पुत्र सुरेश कुमार भारतीय निवासी ग्राम पतेवरा थाना औ0 क्षेत्र प्रयागराज, उम्र करीब 22 वर्ष गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. 30नि0 कमलेश कुमार गिरि थाना औद्योगिक क्षेत्र 2. 30नि0 राहुल कुमार सिंह थाना औद्योगिक क्षेत्र 3. का0 बालकृष्ण थाना औद्योगिक क्षेत्र।



आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -

- पूर्णतः वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710

SATYAM # 9305124298

प्रकारांतर से बीएचयू प्रशासन ने मानी अनियमितता, पांच शोध छात्रों का किया नामांकन निरस्त

(आधुनिक समाचार सेवा) वाराणसी। खुले मन से तो नहीं पर बिना कोई कारण बताए बीएचयू प्रशासन ने पांच शोध छात्रों का नामांकन निरस्त कर दिया है। प्रकारांतर से विश्वविद्यालय प्रशासन

निरस्तीकरण की सूचना पाने के बाद कार्रवाई के विरोध में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के समक्ष शोध छात्रों का धरना गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरना दे रहे चार छात्रों की हालत बिगड़ गई,

धरना दे रहे छात्रों में आक्रोश और क्षोभ बढ़ गया। धरना दे रहे छात्रों ने बताया कि उनके प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करते हुए परीक्षा नियंत्रक ने स्वीकार किया कि इस परिवर्तित परिणाम में छात्रों की ओर से कोई गलती नहीं हुई है। जो परिवर्तित परिणाम कुलपति के आदेश पर जारी हुआ है उसमें भी भारी गड़बड़ी है। 291 अंक पाकर दो छात्रों को अनारक्षित वर्ग में रखा गया है, वहीं 296 अंक पाकर एक छात्र को ईडब्ल्यूएस कोटे के अंतर्गत रखा गया है। छात्र इस मनमाने निरस्तीकरण और परिवर्तित वरीयता सूची में सामने आई इस बड़ी गड़बड़ी का लगातार विरोध करते हुए धरनास्थल पर बैठे हुए हैं। पीएचडी प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में काउंसिलिंग के बीच से ही छात्र काउंसिलिंग समिति के समन्वयक पर लगातार अनियमितता के आरोप लगाते रहे हैं। इसे लेकर अनेक बार आंदोलन किए, तब जाकर कुलपति के आदेश पर फंकेट फाईंडिंग कमेटी का गठन किया गया। कमेटी ने दिसंबर माह में अपनी रिपोर्ट दे दी। आंदोलनकारी छात्रों के लगातार दबाव को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पांच छात्रों का नामांकन तो निरस्त कर दिया लेकिन अब लोगों की दृष्टि दोषी अधिकारियों, प्राध्यापकों पर कार्रवाई की ओर लगी है।

इन्वेस्टर मीट जनता के साथ धोखा: अखिलेश ने साधा भाजपा पर निशाना, बोले- गंगा सफाई के नाम पर पानी में बह गया पैसा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इन्वेस्टर मीट के नाम पर भाजपा जनता को धोखा दे रही है। इन्वेस्टर समिट को जनता की आंखों में आंखों में धूल झोंकने जैसा है। कहा कि यदि बनारस के लोग भी टाई व सूट पहन कर चले जाएं तो बीजेपी वाले आपसे भी एमओयू साइन करवा लेंगे। बलिया और गाजीपुर में कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार शाम वाराणसी पहुंचे। इस दौरान मीडियाकार्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि पिछले इन्वेस्टर मीट हुए तमाम एमओयू अब तक अब तक जमीन पर नहीं उतर सके। डिफेंस एक्सपो में प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति आए थे, उसका क्या आउटपुट निकला। उन्होंने कहा कि जब पहले भी कोई इन्वेस्टर मीट यूपी में कुछ नहीं आया, तो अब कैसे आया। कहा कि सरकार इन्वेस्टरों को सुविधा नहीं देगी, तब तक एमओयू से कोई फायदा मिलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि गंगा सफाई के नाम पर पैसा पानी में बह गया। नमामि गंगा में बताओ क्या गंगा मां साफ हुई। उन्होंने कहा कि जिस लोक भवन में मुख्यमंत्री बैठ

रहे हैं, वह सपा सरकार ने बनवाया और नेताजी ने उद्घाटन किया था। वहीं भाजपा ने अपने नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा लगा दी। मुख्यमंत्री को पता नहीं नो बाल और क्रिकेट पिच कितने यार्ड उन्होंने कहा कि जिस स्टेडियम में शपथ ली

स्थित उनके आवास गए। इस साथ ही परिजनों को सांत्वना दिया। बाबतपुर एयरपोर्ट से सपा प्रमुख सीधे छवनी स्थित होटल रमाड़ा पहुंचे। यहां कुछ देर आराम करने के बाद संकट मोचन मंदिर जाकर दर्शन-पूजन भी किया। रात्रि विश्राम करने के बाद दस फरवरी सुबह साढ़े 10 बजे अखिलेश यादव काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करेंगे। सारनाथ में वैवाहिक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। दोपहर बाद एयरपोर्ट रवाना हो जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शाम करीब 5.40 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे। सपा प्रमुख के स्वागत में सपा कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी। इस कारण थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति हो गई। कुछ कार्यकर्ता गड्डी के पास पहुंचने के चक्कर में गिर पड़े। बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं को देखते उन्हें अपना काफिला रोक्ना पड़ा। स्वागत करने वालों में निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचंडी, किशन दीक्षित गणेश यादव, आनंद मोहन गुड्ड, बीपी सिंह, ओपी सिंह, शोभनाथ यादव, मनोज यादव गोलू सहित अन्य लोग शामिल थे।



मुख्यमंत्री ने, उन्हें पता नहीं कि क्रिकेट मैच में नो बाल क्या होती है, स्टंप कितने लगाए जाते हैं, पिच कितने यार्ड की होती है। सपा की देन है, जिसकी वजह से आपने मैच देखा। राम की लड़ाई पांच हजार साल पुरानी रामचरित मानस पर विवादित बयान देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्या पर अखिलेश यादव कहा कि यह लड़ाई पांच हजार साल पुरानी है। रामचरित मानस पर बहस बहुत लंबे समय से चल रही है और ये चलती ही रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व राष्ट्रीय सचिव और पूर्व विधायक स्वर्गीय प्रदीप बजाज को श्रद्धांजलि देने भैलपुर के जवाहर नगर कालोनी

अनुमति मिली तो खत्म हो गई बैंक गारंटी, कैसे हो कैसर का सटीक उपचार अभी लग सकते हैं 6 माह

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। एम्स प्रबंधन की लापरवाही से कैसर रोगियों को सटीक उपचार नहीं मिल पा रहा है। स्विट्जरलैंड में खरीदी गई इयूल

रेडिएशन सेफ्टी आफिसर की नियुक्ति नहीं हुई थी, बिना नियुक्ति हुए अनुमति नहीं मिलती और बैंक गारंटी पुनः समाप्त हो जाती। अब रेडिएशन सेफ्टी



इनर्जी की रेडियोथेरेपी मशीन की बैंक गारंटी समाप्त हो गई है। इस वजह से कंपनी उसे नहीं भेज रही है। पुनः बैंक गारंटी बनवाकर भेजने और मशीन आने में लगभग छह माह का समय लग सकता है। पहले रेडिएशन सेफ्टी आफिसर की नियुक्ति न होने से मशीन नहीं आ पाई थी, अब नियुक्ति हो गई तो बैंक गारंटी बाधा बन गई है। यह मशीन 2019 में ही एम्स का निर्माण करा रही संस्था हाईटस ने खरीदी थी। उसी समय बैंक गारंटी बनी थी, लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण इसे मंगाने का प्रयास नहीं हुआ। छह माह बाद ही बैंक गारंटी समाप्त हो गई, लेकिन हाईटस ने पुनः बैंक गारंटी इसलिए नहीं बनवाई कि एम्स प्रशासन की लापरवाही से

आफिसर की नियुक्ति हो जाने के बाद एटाधिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड, मुंबई ने मशीन मंगाने की अनुमति प्रदान कर दी है, लेकिन बैंक गारंटी समाप्त होने से मामला लटक गया है। कैसर रोगियों को इस मशीन का लाभ दो साल पहले मिल सकता था, लेकिन एम्स की उदासीनता से अभी छह माह तक मिलने की उम्मीद नहीं है। 18 करोड़ रुपये की यह मशीन जिले में केवल हनुमान प्रसाद पोद्दार कैसर अस्पताल में है। एम्स पहला सरकारी अस्पताल होगा, जहां यह मशीन लगाई जाएगी। इसी के साथ ब्रेकी थैरेपी मशीन भी खरीदी गई है। वह भी स्विट्जरलैंड में ही पड़ी हुई। इयूल एनर्जी की रेडियोथेरेपी मशीन से ठीक जगह पर प्रभावित अंग की सेंकड़ा की जा सकेगी, प्रभावित अंग के अगल-बगल रेडिएशन का प्रभाव नहीं होगा। रोगियों के उपचार का खर्च बहुत कम पड़ेगा। ब्रेकीथैरेपी मशीन से स्तन व ओरल कैसर से प्रभावित अंगों की सेंकड़ा हो सकेगी।

प्रॉमिस डे पर वन अधिकारी वर्षा ने वन्य जीवों की ली सुरक्षा की शपथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रॉमिस डे पर वन अधिकारी वर्षा ने वन्य जीवों की ली सुरक्षा की शपथ आज प्रॉमिस डे के दिन फोरेस्ट रेंज अधिकारी वर्षा ने अपने सभी वन्यकर्मियों सहित आज वन्य जीवों की सुरक्षा की शपथ ली आज इनको देखकर लगता है की बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान सफल हो गया।



आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश का यह गांव

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़। एक बार तो विश्वास करना मुश्किल है कि यह पूर्वांचल का कोई गांव है। किसी बड़े 'शहर' की सुंदरता और सुविधाओं को मात देता है ब्लाक तरवा का रासेपुर गांव। आधुनिक सुविधाओं से लैस ग्राम पंचायत भवन, शिक्षा-स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था है तो सजे-संवरे तालाब में बोटिंग भी कर सकते हैं। गेस्ट हाउस, धर्मशाला, ओपन जिम वाला खूबसूरत गार्डन, हाट-बाजार के साथ चमचमाती सड़कें, घरों से निकलने वाले गंदे पानी के प्रबंधन की व्यवस्था हैरान कर देगी। यही कारण है कि दर्जनों गांवों के लोग परिवार के साथ इस गांव में सैर करने आते हैं और जाते हैं फिर आने के वादे के साथ। यह

संभव हुआ है पूर्व ग्राम प्रधान अंजू सिंह के सपनों और कोशिशों के

सेल्फी लेने पर बाध्य करता है। पार्क के घास की ऐसी बारीक कटाई



कारण। वर्तमान ग्राम प्रधान महेश कुमार इस शानदार पहल को जी-जान से आगे बढ़ाने में जुटे हैं। आइये आपको ले चलते हैं इस अनोखे गांव की सैर पर। 12 बीघा में सजे-संवरे पार्क के बीच स्थित तालाब आपको यहां ठहरने और

कि सर्दियों में भी नंगे पांव चलने का सुख कोई छोड़ना नहीं चाहेगा। छोटे-बड़े दस हजार से अधिक पौधों में ढाई हजार झुरमुदार (मौलश्री) पौधे चिड़ियों के बसेरा हैं। सुबह इनकी चहचहाहट आपको रोज आने पर मजबूर कर देगी। नवग्रह वाटिका

में लोग जरूर पहुंचते हैं। यहां पलास, दूब, अपामार्ग, पीपल, खैर, मदार, गुलर इत्यादि के पेड़-पौधों को देखते एवं उसकी खासियत जान रोमांचित होते हैं। पार्क में एक किनारे जिम के कई उपकरण लगे हैं। बच्चे, बड़ों की तो यहां लाइन लगी रहती है। पार्क में घूमने के दौरान अधिकांश लोग यहां पहुंचकर ठहर जाते हैं। रासेपुर में सैकड़ों वर्ष पुराना मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है, जिसकी साज-सज्जा देखते बनती है। दर्शनार्थियों के लिए यहां एक रुम और 20 मीटर चौड़ा, 50 मीटर लंबा हाल है। होटल जैसी गेस्टहाउस की सुविधा भी मिलेगी। इन सुविधाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। आठ हजार की आबादी वाले गांव में कंक्रीट,

इंटरलाकिंग और खंडजा की औसतन 20 किलोमीटर सड़कें गांव की साख बढ़ाती हैं। सामुदायिक शांतिचाल, प्राइमरी स्कूल की व्यवस्थाएं व्यवस्थित विकास को दर्शाती हैं। ग्राम पंचायत भवन पुराना है, लेकिन निवास प्रणाम हॉल, कुटुंब रजिस्टर यहां उपलब्ध हो जाता है। हाट बाजार पूरी करेगा जरूरतें पार्क के बगल में ही हाट बाजार बना है। यहां लोगों को जरूरत के सामान मिलेंगे। मसालन, ताजी सब्जियां, खाद्य सामग्री इत्यादि। ग्राम पंचायत प्रशासन ने इससे अपने निधि से बनवाया है। सैकड़ों लोगों की भीड़ से उम्मीदों को पूरा रासेपुर के पार्क में रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं।

सीधे प्रवेश

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

100% Placement

15% Fee Concession

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 80% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➤ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)	फिटर
➤ डेटा इंट्री आपरेटर	वैल्डर
➤ फायर सेफ्टी	सीसीए
➤ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग	रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➤ इलेक्ट्रीशियन	सिव्योरिटी सर्विस
➤ सीएनसी प्रोग्रामिंग	बेसिक कम्प्युटर
➤ इलेक्टिक मैकेनिक	कम्प्युटर हाइवेयर

Apply Online: www.nainiit.com

Mail us at - info@nainiit.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं०
8081180306, 9415608710, 8103021873

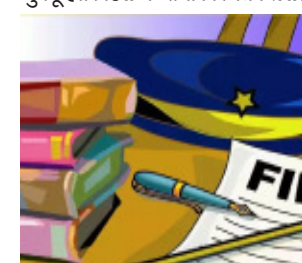
⇒ **इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा, तीसरी मंजिल, सिविल लाइन, प्रयागराज।**

फीस के लिए मासूम को दंडित करने के मामले में प्रबंधक प्रधानाचार्य व शिक्षिका पर एफ आई आर दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)

रसड़ा (बलिया)। नगर के मिशन रोड जुगनू हास्पिटल के समीप स्थित दिल्ली

अख्तर को खड़ा करने पर तबियत बिगड़ने के मामले में कोतवाली पुलिस ने छात्र की माता रहिमा खातून की तहरीर पर विद्यालय के



प्रबंधक प्रद्युम्न वर्मा, प्रधानाचार्य सत्येंद्र पाल तथा शिक्षिका अफसाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोप है कि चार घंटे तक दोनों हाथ ऊपर कराकर बच्चे को खड़ा कर दिए जाने से उसका हाथ व

पब्लिक सिटी स्कूल में बकाया फीस नहीं ले जाने पर शिक्षिका द्वारा चार घंटे तक छह वर्षीय मासूम छात्र अयाज पैर काम करना बंद कर दिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद विद्यालय में खलबली मची है।

दहेज की मांग को लेकर गर्भवती महिला को पीटकर घर से निकाला, पेट में पल रहे बच्चे की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। गौडा थाना क्षेत्र के एकला में एक गर्भवती को दहेज के लिए ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पिटाई के

को गौडा थाना क्षेत्र के एकला निवासी जामवंत निषाद के साथ हुई थी। पीड़िता ने तहरीर में बताया है कि शादी के मांग के अनुसार पिता ने ससुराल वालों को सभी सामान दिया था। इसके बाद भी ससुराल के लोग और मांग करते हुए उसका उत्पीड़न कर रहे थे। बताया कि 17 जनवरी 2022 को ससुराल के लोगों ने मारपीट घर से भगा दिया। चोट अधिक लगने पर पिता ने जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत बताया। महिला ने आरोप



कारण उसके पेट में पल रहे बच्चे की मृत्यु हो गई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर गुरुवार को जेठ, पति समेत छह के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी सुमन साहनी की शादी 25 अप्रैल 2021

लगाया कि उसके जेठ ने एक बार दुष्कर्म की कोशिश की थी। शोर मचाने पर लोगों ने बचाया था। थाना प्रभारी मदन मोहन मिश्र ने बताया कि तहरीर पर पति जामवंत, जेठ विजय, अंगद, झिन्नू, महेंतिया, लाला के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

रवींद्र जडेजा ने हाथ में जो क्रीम लगाई, उसका हुआ खुलासा, टीम इंडिया ने मैच रेफरी को दी जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा) तब की है जब ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम पब्लिक लॉट चुकी थी। जडेजा ने इनमें से मार्नस लाबुशेन (49), स्टीव स्मिथ (37) और मैट रेनशॉ को अपना शिकार बनाया था।



रवींद्र जडेजा ने मोहम्मद सिराज के हाथ से क्रीम लेकर जंगली पर लगाई। भारतीय टीम प्रबंधन ने आईसीसी मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को इस संबंध में सफाई दी है। भारत ने बताया कि रवींद्र जडेजा ने गेंदबाजी करने वाले हाथ में पेन-रिलीफ क्रीम लगाई है। यह घटना

जडेजा पर इस विवाद में कोई जुर्माना नहीं लगाया गया। यह भी जानकारी मिली है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने वीडियो पर आपत्ति जताते हुए इस बॉल टेंपरिंग करार दिया था। मगर भारतीय टीम प्रबंधन ने इस पर सफाई देते मामला शांत कर दिया है। रवींद्र जडेजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दमदार वापसी की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लिए और भारतीय टीम को ड्राइविंग सीट पर ला खड़ा किया है। जडेजा ने मार्नस लाबुशेन (49), स्टीव स्मिथ (37), मैट रेनशॉ, पीटर हैंड्सकोक (31) और टॉड मर्फी को अपना शिकार बनाया। जडेजा को अनुभवी रविचंद्रन अश्विन का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन विकेट झटके। भारतीय स्पिनर्स के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए और पूरी टीम पहली पारी में 63.5 ओवर में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और वह विशाल बढ़त बनाकर मुकाबला जल्द ही अपने पक्ष में करना चाहेगी।

महिला आईपीएल 2023 के साझेदारी अधिकार को लेकर बीसीसीआई ने किया ट्वीट कोटेशन के आवेदन को लेकर जारी की घोषणा

(आधुनिक समाचार सेवा) टीमें शामिल है। बता दें कि लिफ्ट टीमों की नीलामी 13 फरवरी नई दिल्ली। आईपीएल के सफल होने के बाद बीसीसीआई ने साल कर महिला प्रीमियर लीग के लिए



2023 में पहली बार महिला आईपीएल 2023 के लिए मंजूरी दी है। हाल ही में बीसीसीआई ने एक ट्वीट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इस लीग की साझेदारी अधिकार के आवेदन की घोषणा की है बता दें कि महिला आईपीएल में कुल 5 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, लखनऊ वॉरियर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर और दिल्ली कैपिटल्स की

भारत में कब, कहां और कैसे देखें लाइव प्रसारण व स्ट्रीमिंग



(आधुनिक समाचार सेवा) है। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 में कुल 23 मैच खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया गत चैंपियन हैं। बता दें कि पहले लीग चरण के मुकाबले खेले जाएंगे और दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमों से मीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी। फिर नॉकआउट मुकाबले 23 और 24 फरवरी को क्रमशः न्यूज़ीलैंड व केप टाउन में खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 26 फरवरी को खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 के मैचों का लाइव प्रसारण भारत में आप स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकेंगे। इन मुकाबलों की लाइव स्ट्रीमिंग आप डिजिटी फ्लैट स्कार एप पर देख सकते हैं।

लंबे समय के बाद सपना हुआ पूरा, टेस्ट डेब्यू के बाद केएस भरत ने मां को लगाया गले



(आधुनिक समाचार सेवा) के बाद अपनी मां को गले लगाया। यह मां के लिए बेहद भावुक वाला पल था, जिनके बेटे ने अपने बचपन के सपने को पूरा किया। जब भरत ने अपनी मां को गले लगाया तो फोटोग्राफर्स ने इस पल को कैमरे में कैद करने में जरा भी देरी नहीं की और कुछ ही पल में यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बता दें कि केएस भरत को अधिकांश समय इंतजार करना पड़ा क्योंकि ऋषभ पंत ने विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा रखी थी। पंत ने भारत के लिए कई मैच विजयी पारियां खेली, जिसके चलते केएस भरत बेंच गर्म करते रहे। पंत के बाहर होने के बाद केएस भरत को डेब्यू का मौका मिला। ऋषभ पंत गंभीर कार एक्सीडेंट के कारण क्रिकेट एक्शन से दूर हैं। फैंस के लिए खुशी की

भारत ने बांग्लादेश को 52 रनों से चटाई धूल

(आधुनिक समाचार सेवा) विश्व कप के लिए अपनी एक मजबूत पकड़ बना ली है। बता दें कि मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए पाँच प्ले में ही 35 रन पर अपने 3 विकेट गंवा चुकी थी, इसके बाद ऋषा घोष ने भारत की पारी को



रनों से मात दी। बता दें कि भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश टीम 8 विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना पाई। इस मैच में ऋषा घोष की विस्फोटक अर्धशतक के चलते गेंदबाजों के होश उड़ दिए। दरअसल, भारतीय महिला टीम और बांग्लादेश महिला टीम के बीच 8 फरवरी को खेले गए वॉर्म-अप मैच में टीम इंडिया को 52 रनों से जीत मिली। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टी-20

मोहम्मद रिजवान ने खुद को कराया था टीम से बाहर, पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज का बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा) ने कहा कि उन्होंने ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम मैनेजमेंट से कहा था कि वह उन्हें फ्लेडिंग-11 से ड्रॉप करे और सरफराज अहमद को मौका दिया



जाए। "आप हेड कोच सकलैन मुश्ताक से पूछ सकते हैं कि मैंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद क्या कहा था। मैं काफी खुश था कि सरफराज अहमद ने इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खुद को टीम से बाहर करने की बात कहने के साथ सरफराज अहमद को मौका देने का सुझाव दिया था। दरअसल, पाकिस्तान टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने हाल ही में फ्लेडिंग-11 से ड्रॉप करे और आप कुछ मैचों में फेल होने

राशिफल

<p>मेष-: आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आएगा। आपकी किसी मित्र के घर धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं।</p>	<p>वृष-: आज का दिन व्यक्तिगत संबंधों में मजबूती लेकर आएगा। आपके अंदर कुछ एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप अपने सन्धानों के कामों पर भी ध्यान देंगे।</p>	<p>मिथुन-: आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार में मधुरता बनाए रखें, तभी आप कार्य क्षेत्र में लोगों से आसानी से काम निकाल पाएंगे।</p>	<p>कर्क-: आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी करियर में कच्ची विरोध हो सकती है और आपको उन्नति करने का भी मौका मिलेगा।</p>
<p>सिंह-: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने अनुभव का पूरा लाभ मिलेगा और प्रशासन के कार्य में आप तेजी बनाए रखें।</p>	<p>कन्या-: आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आपकी आध्यात्मिक विषयों के प्रति रुचि बढ़ेगी और आप कुछ धार्मिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।</p>	<p>तुला-: आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आपका मान सम्मान बढ़ेगा और आप कुछ कामों में निस्कोच आगे बढ़ेंगे, जो आपके लिए समस्या दे सकते हैं।</p>	<p>वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपको एक से अधिक स्त्रियों से लाभ लाभ मिल सकता है और साझेदारी में काम करके आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे।</p>
<p>धनु-: आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है, लेकिन यदि आपने किसी पर आंख मूंदकर भरोसा किया, तो वह आपको नुकसान दे सकता है।</p>	<p>मकर-: आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके कुछ शत्रु आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे।</p>	<p>कुंभ-: आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। घर परिवार में आपकी सहजता बढ़ेगी। आपकी आज कोई मूल्यवान वस्तु चोरी हो सकती है, जिसके लिए आप सावधानी बरतें।</p>	<p>मीन-: आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे और कोई कानूनी मामला आज आपके लिए समस्या बन सकता है।</p>

आज का राशिफल

डेब्यू किया, जिसमें सूर्यकुमार यादव और केएस भरत शामिल हैं। बता दें कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 71 साल बाद किसी टेस्ट में 29 साल से ज्यादा की उम्र के दो खिलाड़ियों को एक ही टेस्ट में डेब्यू करने का मौका मिला है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कर्मिसन ने पहले टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहली पारी में

सूर्यकुमार यादव और केएस भरत का नाम शामिल है। बता दें कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 71 साल बाद 29 साल से ज्यादा की उम्र के दो खिलाड़ियों को एक ही टेस्ट में डेब्यू करने का मौका मिला है। केएस भरत ने टेस्ट के पहले दिन इस मौके को भुनाते हुए शानदार स्ट्रिकिंग का नजारा पेश किया।

टीम इंडिया के फैंस का बढ़ सकता है इंतजार, जसप्रीत बुमराह की हेल्थ पर आई बड़ी अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा) बुमराह को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है क्योंकि इस साल वनडे वर्ल्ड कप भी होना है। इसलिए बुमराह को चोट से



ठीक होने के लिए पूरा समय दिया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चयन होगा या नहीं, इसका फैसला अगले सप्ताह लिया जाएगा। बता दें कि भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 17 से 22 मार्च के बीच खेली जाएगी। द टेलीग्राफ ने सूत्रों के हवाले से कहा, 'बुमराह पिछले कुछ दिनों से एनसीए में गेंदबाजी सत्र कर रहे हैं और अच्छा कर रहे हैं। उन्हें कोई जकड़न महसूस नहीं हो रही है जो कि उनके लिए सबसे बड़ी चीज है।' रिपोर्ट में बताया गया कि 29 साल के बुमराह ने एनसीए में सफेद गेंद से गेंदबाजी की, जिससे संकेत मिला कि वो टेस्ट सीरीज के बजाय वनडे सीरीज में वापसी कर सकते हैं। याद दिला दें कि भारतीय तेज गेंदबाज ने सितंबर 2022 के बाद से भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है।

सम्पादकीय

विखंडन के मुहाने पर पाकिस्तान, अंग्रेजों के बनाए अस्वाभाविक से देश के खुल रहे जोड़

पाकिस्तान आर्थिक संकट से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ को कठोर शर्तों से बचने की भरपूर कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे और कोई उपाय नजर नहीं आ रहा है। खबर है कि आइएमएफ ने पाकिस्तान को सैन्य व्यय घटाने को भी कहा है। डालर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया 275 के करीब पहुंच गया है। उसके खजाने में मात्र तीन बिलियन डालर हैं। आइएमएफ की शर्तों के प्रभाव से पाकिस्तान में बिजली, गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बहुत बढ़ जायेंगी। हाल में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अल अरबिया चैनल को दिए इंटरव्यू में माना था कि भारत से तीन-तीन युद्ध लड़कर पाकिस्तान को सिवा गरीबी, बेरोजगारी के कुछ नहीं मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से गंभीर बात करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन कुछ ही देर बाद पलटकर इमरान खान की तरह अनुच्छेद 370 की बहाली का राग अलापने लगे। पाकिस्तान ने 1947 में तय किया कि उसका लक्ष्य हिंदुओं से मुक्ति, मजहबी विस्तार और कश्मीर है। हिंदुओं को प्रताड़ना, हत्या, अपहरण, देश निकाले से गुजरना पड़ा। पाकिस्तान की समझ से उसकी हिंदू-समस्या निपट गई और कश्मीर समस्या अभी शेष है। हाल में हुआ राजौरी का नरसंहार प्रमाण है कि पाकिस्तान का कश्मीर एजेंडा बदस्तूर चल रहा है। प्रश्न यह है कि हमने आजादी के बाद पाकिस्तान समस्या के समाधान के लिए क्या किया? निःसंदेह देश का विभाजन एक मजबूरी के तहत हुआ, लेकिन आखिर अंग्रेजों के प्रस्थान के बाद कौन सी मजबूरी बनी रही? कश्मीर युद्ध का उपयोग कर इस विभाजन को निष्प्रभावी करने का प्रयास तो हो सकता था। सरहदी गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान ने पख्तूनों के लिए एक अलग विकल्प पख्तूनस्तान पर फेरकेड की मांग की थी, लेकिन माउंटबेटन की भाषा बोल रहे प्रधानमंत्री नेहरू ने इसे अस्वीकार कर दिया। अलग फ्रंटियर राज्य पख्तूनस्तान की आथाथशिला बन सकता था। तब खान अब्दुल गफ्फार खान के मेहसूद, अफरीदी, वजीर, यूसुफजई कबीलों के लश्कर कश्मीर पर आक्रमण करने क्यों

आते? अफगानिस्तान और पख्तूनस्तान तो भारत की सीमा को स्पर्श कर रहे मित्र देश होते। बलूचिस्तान डालर से ही एक आजाद देश था। 13अप्रैल 1948 को जब पाकिस्तान ने सेनाएं भेज कर उस पर कब्जा किया तो हमें पूरी तरह से बलों का साथ देना चाहिए था। उन दिनों तो पाकिस्तान से युद्ध भी चल भी रहा था। पूर्वी पाकिस्तान 1948 में पूरी तरह हमारे हाथ में था। यदि हम रणनीतिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत के लिए बड़ी आसानी से 1947-48 में पाकिस्तान समस्या का समाधान करने का अवसर था। हमारी सेना पाकिस्तान से दो गुना बड़ी थी, विश्वयुद्ध के अनुभवी जनरल थे, लेकिन रणनीतियों में अहिंसा के प्रवेश ने हमें विचारविहीन देश बना कर रख छोड़ा था। अगर आजाद फ्रंटियर सीमांत राज्य, आजाद बलूचिस्तान, पाकमूक्त कश्मीर, पाकमूक्त बंगाल परिदृश्य पर आ गए होते तो शेष पाकिस्तान के पास अपना जिहादी एजेंडा भूल कर भारत पर निर्भर सहयोगी देश बने रहने के अतिरिक्त कोई विकल्प ही न होता, लेकिन हम तो आदर्शवाद के लक्ष्यविहीन वायुयान के यात्री थे। पख्तूनस्तान और बलूचिस्तान के आजाद होते ही पाकिस्तान उसी समय अपने विरोधाभासों के बोझ से ही ध्वस्त हो जाता, लेकिन तत्कालीन नेताओं ने समस्या का समाधान राष्ट्रहित की रणनीति में नहीं, मजहबी तुष्टीकरण में देखा। इस तुष्टीकरण ने यहां एक सशक्त पाकिस्तान लाबी खड़ी कर दी। पाकिस्तान ने जब 22 अक्टूबर 1947 के दिन कश्मीर जिहाद को प्रथम लक्ष्य बनाया, तब हमारा सामना नीतिगत विरोधाभासों से हुआ। गांधीवादियों के अनुसार विश्व में हमारा कोई शत्रु नहीं था और सैनिकों की जरूरत नहीं थी। गांधीवादी नीतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत की राजनीतिक अवधारणा ही स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। परिणामस्वरूप जो स्थान राष्ट्रीय शक्ति को मिला था, वह तुष्टीकरण की नीति को मिला। यही तुष्टीकरण पाकिस्तान ही नहीं आगे चीन के प्रति नेहरू की नीतियों में भी प्रकट होता है। कश्मीर पर युद्धविराम नेहरू की इसी तुष्टीकरण की नीति का परिणाम था। जो कश्मीर पाकिस्तान के कब्जे में चला गया था।

जनपद में 100 निवेशकों द्वारा 11061 करोड़ रूपये के प्रस्ताव प्राप्त हुये, निवेशक हुए सम्मानित

प्रतापगढ़। दिनांक 10 फरवरी से 12 फरवरी तक चलने वाले 30प्र0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का शुभारम्भ बटन दबाकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लखनऊ में किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित अन्य मंत्रीगण के उद्बोधन का सजीव प्रसारण सांसद प्रतापगढ़ संगम लाल

नेतृत्व में देश व उत्तर प्रदेश बदल रहा है। उन्होंने उद्यमियों एवं व्यापारियों से कहा कि जनपद में निर्भीक होकर इन्वेस्टमेंट करें, सरकार और जिले के अधिकारी सदैव आपके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा भय रहित और सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित किया गया है जिससे जनपद में

आगे बढ़ रहा है, जिन देशों में विज्ञान और तकनीकी शिक्षा दी जाती है वह देश निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होता है, दुनिया के सभी देशों में वह अग्रणी रहता है। उन्होंने कहा कि जो भी उद्यमी उद्योग लगाये उसको पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ आगे बढ़ाये तो उद्योग भी बढ़ेगा और उद्यमी भी आगे बढ़ेंगे तथा लोगों को नये

कार्यक्रम में जनपद में निवेश कर रहे 07 निवेशकों क्रमशः ऑवला फूड प्रोडक्ट में 50 करोड़ रूपये की धनराशि निवेश करने वाले मो0 अनाम, फ्लोर मिल में 2 करोड़ रूपये का निवेश करने वाले शुभम अग्रवाल, ऑवला उत्पाद में 50 लाख रूपये का निवेश करने वाले अभिषेक मणि त्रिपाठी, फर्नीचर उद्योग में 1 करोड़ का



गुप्ता, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, सांसद प्रतिनिधि विवेक उपाध्याय, अधिकारीगण, उद्यमी, व्यापारी, जनसामान्य द्वारा तुलसीसदन (हादीहाल) में देखा गया। इसी क्रम में 30प्र0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के अवसर पर तुलसीसदन (हादीहाल) में जनपद स्तरीय निवेश कुम्भ एवं स्थानीय ओडीओपी उत्पादों एवं हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ सांसद प्रतापगढ़ संगम लाल गुप्ता ने दीप प्रज्वलन एवं मंत्र संस्कारों के चित्र पर माय्यार्पण कर किया। इस अवसर पर सांसद संगम लाल गुप्ता ने उद्यमियों एवं जनमानस को सम्बोधित करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश एक उत्तम प्रदेश बन रहा है और उसी विश्वास के तहत हमारा प्रतापगढ़ भी बदल रहा है। माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी के

अधिक से अधिक निवेश किया जा रहा है और रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। दूसरे प्रदेशों में प्रतापगढ़ की जो चर्चा, इमेज और भाव बढ़ा है उसका श्रेय जनपद के अधिकारियों को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ में जहां पहले भय का माहौल था व्यापारी जनपद में व्यवसाय न करके दूसरे प्रदेश चले जाते थे मगर आज वह विश्वास व्यापारियों में जागा है और व्यापारी उत्तर प्रदेश व प्रतापगढ़ में इन्वेस्टमेंट करने के लिये तैयार हैं। दूसरे प्रदेशों से बड़े बड़े उद्योगपति टैक्टर फैंक्ट्री में इन्वेस्टमेंट करने जा रहा है इसका पूरा श्रेय जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को है। उद्यमियों एवं व्यापारियों द्वारा जनपद में इन्वेस्टमेंट करने का विश्वास जागा है। अच्छी सोच के तहत अगर कोई काम करता है तो सफलता जरूर मिलती है। विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल ने सम्बोधित करते हुये कहा कि माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश व प्रदेश उद्योग एवं तकनीकी शिक्षा की ओर

रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। जनपद में सौहार्दपूर्ण वातावरण में निवेशकों को निवेश करने में सुविधा हो रही है और जनपद में तरक्की के रास्ते खुल रहे हैं। इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा कि जो भी उद्यमी जनपद में उद्योग लगाना चाहते हैं उनका शासन एवं प्रशासन सहयोग करें, जिससे उद्योगपति जनपद में अपना निवेश खुलकर कर सकें। उन्होंने उत्तर प्रदेश के माध्यम से जनपद में निवेश और रोजगार के अवसर अधिक से अधिक उपलब्ध होंगे और ऑवला उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर जिले के सर्वश्रेष्ठ उद्यमियों को सम्मानित भी किया गया। जनपद में निवेश करने हेतु 100 निवेशकों द्वारा रूपये 11061 करोड़ के एम0ओ0यू0पर साइन किये गये हैं, रूपये 25 करोड़ से अधिक निवेश करने वाले निवेशकों द्वारा 30प्र0 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 लखनऊ में प्रतिभाग किया जा रहा है। जनपद स्तरीय निवेश कुम्भ

निवेश करने वाले रवि प्रताप सिंह, मसरूम उत्पाद में 2 करोड़ का निवेश करने वाले आशीष कुमार जायसवाल, फूड प्रोडक्ट में 2 करोड़ का निवेश करने वाले वीरेन्द्र पाण्डेय व दोना पतल उद्योग में 50 लाख रूपये का निवेश करने वाले रोशन लाल उमरवैश्य को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्थानीय ओडीओपी उत्पादों एवं हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी तुलसीसदन परिसर लगायी गयी जिसका अवलोकन अधिकारियों एवं जनसामान्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 मोहम्मद अनीस ने किया। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौंसिया, जिला सूचना अधिकारी राजेश कुमार सिंह, व कृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी सहित उद्यमी एवं व्यापारी व जनसामान्य उपस्थित रहे।

21वीं सदी के भारत की यातायात को ध्यान में रखकर सुविधाओं का विकास किया जा रहा है पीएम मोदी

गोरखपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में आयोजित एक समारोह में मुंबई से सोलापुर एवं मुंबई से साईं नगर शिरडी के लिये दो वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया। उन्होंने राष्ट्र को सांताक्रुज-चेम्बर लिंक रोड एवं कुरार अण्डर पास सड़क परियोजनाओं को समर्पित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत में रेलवे के लिये आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है। विशेषकर महाराष्ट्र के लिए दो वंदे भारत ट्रेनों का शुभारम्भ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन वंदे भारत से देश के आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र मुंबई एवं पुणे का आस्था के केन्द्रों से जुड़ाव हो रहा है। इससे विद्यार्थियों, कार्यालय एवं व्यापार

के संचालन, मेट्रो, नये एयरपोर्ट, बन्दरगाह के विस्तार का उद्देश्य भी यही है। उन्होंने कहा कि देश में आधारभूत संरचना के विकास हेतु इस वर्ष के बजट में 10 लाख करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें रेलवे की साझेदारी 2.5 लाख करोड़ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में रेल के विकास हेतु धन आवंटन में अप्रत्याशित वृद्धि की गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डबल इंजन की सरकार से महाराष्ट्र में कनेक्टिविटी का तेजी से विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। वेतनभोगी व व्यापारिक वर्ग को काफी राहत दी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस बजट से 'सबका विकास, सबका प्रयास' को बल मिलेगा। इस अवसर पर राज्यपाल महाराष्ट्र श्री भगत सिंह



कार्य तथा तीर्थयात्रा एवं कृषि कार्य से जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी। वंदे भारत ट्रेन से शिरडी, नासिक, त्रयंबकेश्वर एवं पंचवटी जाने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी इससे क्षेत्र में पर्यटन एवं तीर्थस्थानों का बढ़ावा मिलेगा। पं ड्रपूर, सोलापुर, अक्कलकोट एवं तुलजापुर जाने वाले तीर्थयात्रियों को भी काफी सुविधा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आधुनिक भारत की एक तस्वीर है। इससे भारत के तेज विकास की झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि अभी तक 10 वन्दे भारत एक्सप्रेस गाड़ियों से 17 राज्यों के 108 जिले जुड़ चुके हैं। प्रधानमंत्री ने आज लॉच की गई परियोजनाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि इनसे लोगों का जीवन काफी आसान होगा। उन्होंने कहा कि एलीवेटेड सड़क मार्ग से पूर्वी एवं पश्चिमी उमनगरीय क्षेत्र जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, जिससे नागरिकों का जीवन सुगम हो। इन गाड़ियों

कोश्यारी, मुख्य मंत्री महाराष्ट्र एकनाथ शिंदे, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, उप मुख्य मुख्यमंत्री महाराष्ट्र देवेन्द्र फणवीस, भारत सरकार के मंत्री नारायण राणे, भारत सरकार के राज्य मंत्री रामदास अठवाल व कपिल मोरेश्वर पटेल तथा महाराष्ट्र सरकार के मंत्री उपस्थित थे। प्रधानमंत्री द्वारा मुंबई-सोलापुर वंदेभारत एवं मुंबई-साईंनगर शिरडी वंदेभारत गाड़ियों के शुभारम्भ से नये भारत के लिये बेहतर, दक्ष, यात्री मित्रवत ट्रांसपोर्ट सुविधा के प्रधानमंत्री के विजन की पूर्ति हुई है। मुंबई-सोलापुर वंदेभारत गाड़ियों की नौवीं वंदेभारत ट्रेन है। विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त इस गाड़ी के संचालन से मुंबई और सोलापुर के बीच कनेक्टिविटी तेज होगी और मुंबई से सोलापुर में सिद्धेश्वर, अक्कलकोट, तुलजापुर, पंढरपुर और पुणे के पास अलन्दी के लिये तेज और बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस आशा व की जानकारी जानकारों पंकज वृध्मर सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गोरखपुर ने दी है।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह जी से दोबारा जीने की हिम्मत मिली प्रियांशु को

विगत कुछ वर्षों में देश भर के युवाओं की पसंद बन चुके एक ऐसी शक्तिशालय जिन्होंने आज अपने अलग अंदाज से अपनी गायकी, हिंदी भाषा में अपनी पकड़ और शब्द शैली के उचित संयोजन से इंसान उद्योगधंधा, अभिनय में दस्तक देकर चारित्रिक अभिनेता के रूप में अपनी अलग पहचान के साथ साथ कंचेयन, वक्ता, वाताकार, जर्नलिस्ट, लेखक, कवि और समाज सेवक और अब मोटिवेशनल स्पीकर की बहुमुखी प्रतिभा के माध्यम से हर दिन कुछ नया करके जनता के हृदय में अमिट छाप छोड़ने वाले प्रियांशु श्रीवास्तव का अब तक का सफल और सफल दिखता है उसके पीछे एक काटों से भरे मार्ग पर चलकर दर्द और पीड़ा की संघर्ष भरी कहानी को आज हमारे संवाददाता के द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से आप सबके बीच प्रस्तुत किया गया है। प्रश्न- आज आप सफल हैं या अभी भी खुद को स्ट्रगलर ही मानते हैं? उत्तर- हर मेहनत करने वाला इंसान स्ट्रगलर होता है और मैं मेहनत करना चाहता हूँ मैं अपने कर्म के प्रति अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से काम करते हुए जीवन के अंतिम पड़ाव तक स्ट्रगलर करूंगा, सफल होना या असफल होना एक परिणाम है जिसे मैं सोचता नहीं। प्रश्न- हाल में ही आपने कई राष्ट्रीय सम्मान और विभिन्न पुरस्कार अर्जित किए हैं उस पर प्रकाश

डालिए। उत्तर-जी हां मैंने जो कार्य किया कलाकारों के प्रति सेवा भाव से कोरोना काल में मैंने उनके हित के लिए राष्ट्रव्यापी लड़ाई लड़ी जिसके लिए केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति सम्मान एवं राज्य सरकार द्वारा काशी अवध रत्न सहित एक दर्जन से अधिक पुरस्कार मुझे मिले इसके अलावा गायन एवं अभिनय के क्षेत्र में बेस्ट सर्पीटिंग एक्टर, बेस्ट इंसपिरिंग पीपल अवार्ड, दरियल सुपर हीरो अवार्ड, साईं नाथ रत्न अवार्ड, प्रयागराज गौरव सम्मान, इंडियन आइकन अवार्ड सहित सौ से अधिक सम्मान मुझे विभिन्न संस्थाओं द्वारा मिले जिसके लिए मैं सभी का शुक्रगुजार हूँ। प्रश्न- आप अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए कि कैसे आप इस क्षेत्र में आए और आपको क्या सहयोग परिवार से मिला। उत्तर-यह आपने सही पूछा क्योंकि मेरा वर्तमान मेरे अतीत की ही देन है मेरे पिताजी जिला पंचायत में लिपिक के पद पर कार्यरत थे लेकिन उन्होंने अपनी पत्रकारिता से प्रदेश में एक वरिष्ठ पत्रकार की पहचान बनाई थी साथ ही देश के बड़े मंच पर साहित्य को प्रचारित प्रसारित करने के उद्देश्य से एक ऊर्जावान कवि के रूप में भी मेरे पिताजी पूर्वी राकेश कुमार वर्मा का योगदान रहा। उन्होंने मुझे मेरी चार वर्ष की उम्र से ही मंच पर स्थान दिलाया और मेरे मन से भीड़ का सामना करने का डर खत्म किया, मेरी माता जी स्वर्गीय नूतन वर्मा ने भी मुझे मेरे सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए सदैव

सहयोग किया तभी आज बत्तीस वर्ष के सफल सफर को पूर्ण कर पाया हूँ। आज मेरे माता-पिता मेरे साथ नहीं हैं लेकिन उनके आशीर्वाद से ही मैं आज जहां हूँ उनकी ही देन है, मेरे चाचा जी श्री राजीव वर्मा जो कि पत्रकारिता जगत के महत्वपूर्ण स्तंभ रहे हैं उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया और सबसे महत्वपूर्ण मेरी पत्नी श्वेता, मेरे भाई-बहन मेरा बेटा। मेरे मित्र, सहकर्मी, कार्यालय के अधिकारीगण और मेरे घर की अभिभावक मेरी दादी ने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया। प्रश्न-आपके आगामी प्रोजेक्ट क्या-क्या हैं उत्तर- मैं फिलहाल दो वेब सीरीज, एक भोजपुरी फिल्म एक बॉलीवुड फिल्म और कुछ शार्ट फिल्म में अभिनय के साथ-साथ अपने गायन और उद्योगधंधा पर बहुत चुनिंदा और मनपसंद प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा हूँ। प्रश्न-हमने सुना है कि आप एक सरकारी कर्मचारी भी हैं आप इसको कैसे मैनेज करते हैं। उत्तर-जी हां मैं जिला पंचायत प्रयागराज में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत हूँ, वह मेरी कर्म भूमि है जिसे मैं पूरा समय देते हुए अपने लोक सेवक होने के दायित्वों को निभाने का प्रयास करता हूँ और उसके बाद बचे हुए समय में मैं अपने शौक तथा अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करता हूँ। प्रश्न-आप मंचो पर कहते हैं कि अध्यक्ष जिला पंचायत प्रयागराज द्वारा आपका पुनर्जन्म हुआ है क्या तक सत्य है। उत्तर-यह बिल्कुल सत्य है इन परिस्थितियों में मैं अनुकंपा की नियुक्ति के लिए जिला

पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने लगा जिंदगी उस मोड़ पर आ चुकी थी परिवार के सहित आत्महत्या जैसे ख्याल मन में आने लगे थे जीने की चाह नहीं रह गई थी अपना कार्यभार संभालते ही पहले ही दिन मेरी नियुक्ति की फाइल पर प्रथम हस्ताक्षर करके मुझे पुनर्जीवन दिया, साथ ही पूर्व विधायक श्री दीपक पटेल जी ने भी मेरे इस खराब

हथ दे दिया था,। उनके लिए तो एक हस्ताक्षर आम बात थी लेकिन यह हस्ताक्षर मेरे और मेरे परिवार के लिए पुनर्जीवन था। उसके बाद ही मैंने जिला पंचायत की नौकरी जवाब की और पूर्ण निष्ठा के साथ उत्तर-कर्म पथ पर चल पड़ा लेकिन विधाता को यह भी मंजूर नहीं था पिछले साल मेरी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई और वह नौबत फिर आ गई कि चिकित्सकों द्वारा मुझे भी कैंसर जैसी बीमारी से डराया गया लेकिन ईश्वर ने इस बार संभाला और बहुत जल्द इस समस्या से मुझे एक उबार दिया। प्रश्न-माता-पिता के गुजर जाने के बाद पिछले दो वर्ष आपने जीवन के सबसे कष्ट पूर्ण वक्त बिताए क्या उस पर भी कुछ कहना चाहेंगे। उत्तर-वह ऐसा ऐसा बुरा दौर था जिसे याद करके ही सिहर उठता है मैं मेरी बहन की शादी हम सब ने धूमधाम से की और उसके चौबीस दिन बाद ही मेरे पिताजी का साया हम सब से उठ गया हम लोग अभी कुछ समझ ही पाते कि तब तक मेरी माताजी भी इस दुनिया को छोड़ कर चली गई ऐसा लगता था मानो हमारा आकाश और हमारी धरती हमसे छिन गई हो, वक्त अभी थमा नहीं था कि मेरी पत्नी को कैंसर जैसी भयावह बीमारी ने जकड़ लिया समाज, रिश्तेदार और दुनिया को पहचानने का वह सही वक्त था वो जब पच्चीस साल के उम्र का कर्ज और घर की जिम्मेदारी के साथ साथ समाज परिवार में संतुलन बैठाना और पत्नी का इलाज

वक्त में मुझे सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण से ऊर्जा दी, यह बात मैं अध्यक्ष जी से कभी कभी नहीं सका लेकिन शायद मेरे अभिभावक के रूप में ईश्वर ने मुझे पुनः मेरे सर पर उनके रूप में अभिभावक रूपी

वृद्धों की सेवा करने में एवं विविध प्रकार से जो भी संभव हो पाता है कैंसर रोगियों की सेवा करने में मनोरोगियों की सेवा करने में इस प्रकार से मदद करता हूँ समस्त लोक सेवकों का फर्ज है कि वह भी आगे आगे देशहित में राष्ट्रहित में बचे हुए समय में समाज की सेवा करें। प्रश्न-अंत में आप अपने साहित्य सांस्कृतिक एवं कलात्मक अनुभव पर प्रकाश डालिए। उत्तर-मेरे अल्पकालिक कैरियर में मैंने सात सौ से अधिक मंच किए हैं जिसमें गायक के रूप में उद घोषक वेड रूप में मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में वक्ता के रूप में मेरी प्रस्तुति रही है। मुख्य रूप से भजन गायक एवं म्यूजिक कंपोजर भाई आशीष शर्मा के साथ मैंने पांच सौ से अधिक मंच साझा किए हैं टी सीरीज, सिसोदिया जैसी कंपनी के लिए ऑडियो रिकॉर्ड किए हैं और लगभग एक दर्जन फिल्मों जिसमें बॉलीवुड, भोजपुरी, वेब सीरीज और शार्ट फिल्मों से मैं जुड़ा हूँ इसके साथ मैं सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से समाज सेवा करने को अपना सौभाग्य समझता हूँ तथा दूरदर्शन प्रसार भारती के साथ मैं कंचेयन के रूप से भी सेवा दे रहा हूँ और कोरोना काल में आकाशवाणी प्रयागराज के माध्यम से मैंने छह प्रस्तुतियां देकर प्रसार भारती को भी सेवा की है।



लेकिन मेरे जीवन को नई दिशा देने का कार्य करने के लिए शायद ईश्वर ने किसी को सुनिश्चित कर रखा था और वह थे जिले के प्रथम व्यक्ति समाजसेवी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह जी जिन्होंने

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान और आई एम एफ के बीच नहीं हो सकी रुके हुए बेलआउट पैकेज की डील

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (छड़) और पाकिस्तान के बीच गुरुवार को एक अरब डालर से अधिक के बेलआउट पैकेज पर



समझौता नहीं हो सका। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आईएमएफ प्रतिनिधियों के बीच 31 जनवरी से चल रही बैठक 9 फरवरी को समाप्त हुई। हालांकि, गुरुवार देर रात जारी एक बयान में पाकिस्तान के वित्त सचिव हमीद शेख ने विवरण का खुलासा किए बिना कहा कि पहले से ही आवश्यक उपायों पर आईएमएफ के साथ एक समझौता किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा, ठाईएमएफ के साथ बातचीत पूरी हो चुकी है। आईएमएफ ने एमईएफपी (आर्थिक और वित्तीय नीतियों का ज्ञापन) दस्तावेज पाकिस्तान को सौंप दिया गया है। देश के सरकारी टेलीविजन चैनल ने वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के हवाले से कहा कि कुछ बिंदुओं पर अभी भी ध्यान देने की जरूरत है। इस समय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में है। वहीं, देश में महंगाई दर आसमान छू रही है। बता दें कि वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने पाकिस्तान की बीमार अर्थव्यवस्था के सभी पहलुओं पर चर्चा की।

एनडीआरएफकर रही तुर्की सेना के साथ मिलकर काम

अंकारा। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने तुर्की सेना के साथ मिलकर शुकुवार को भूकंप प्रभावित तुर्की से एक आठ साल की एक बच्ची को बचाया। तुर्की के गाजियांटेप के नूरदगी में आए भीषण भूकंप में एक इमारत के मलबे के नीचे लड़की जिंदा फंस गई थी। की एक टीम ने तुर्की सेना के सहयोग से एक अन्य जीवित पीड़िता (8 वर्ष की आयु की लड़की) को बहसेली एवलर महालासी, नूरदगी, गाजियांटेप, तुर्की में सफलतापूर्वक बचाया। एनडीआरएफ ने अपने टवीट में तुर्की में चल रहे बचाव कार्यों की एक तस्वीर भी साझा की। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तुर्की में एक और नाबालिग लड़की की जान बचाने के लिए एनडीआरएफ की सहायता की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार को दुनिया की अग्रणी आपदा प्रतिक्रिया बल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इष्ट फाउंडेशन ने बच्चों को सम्मानित किया

(आधुनिक समाचार सेवा) नोएडा। इष्ट फाउंडेशन द्वारा शिक्षा पब्लिक जूनियर हाई स्कूल में ठकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। जिसका परिणाम घोषित करने हेतु कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा मॉ शारदे को वंदना से की गयी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अंतराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित, बिहार की बेटी के रूप में विख्यात निशा भगत बिहार से यहाँ बच्चों को सम्मानित करने पहुंची। कार्यक्रम संयोजक रोशनी कुमारी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्वता, द्वितीय स्थान हिमांशु, तृतीय स्थान अंकित, चौथे एवम पांचवा स्थान नैना और गौरी ने हाँसिल किया। जिसके चलते बच्चों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर

सम्मानित किया गया। ग्रेटर नोएडा प्रमुख सूरज झा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का हमारा उद्देश्य बच्चों के मनोबल को बढ़ावा देना है ताकि उनमें क्रियात्मक चीजों का विकास भी हो सके। कार्यक्रम के दौरान



हैन्डलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन ने की बजट पर चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा) नोएडा। हैन्डलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन व भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ नोएडा द्वारा बजट 2023 पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिला

व्यापारियों ने इस बजट को बहुत पसंद किया है। सभी का मानना है कि बजट 2023 ऐसा बजट है जो समाज के हर वर्ग के लिए हितकारी है। उन्होंने कहा कि जो टैक्स स्लैब एवं नई टैक्स की दरे आयी है उसमें अब सात लाख तक कोई टैक्स



अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं एचएचएडब्ल्यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी. शर्मा के साथ अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। हैन्डलूम हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर वेलफेयर के अध्यक्ष ने बताया कि भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 के लिए जो बजट पेश किया है वो सभी लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, इसी संंध में हमने सभी गौतमबुद्ध नगर के व्यापार स्थलों एवं इंडस्ट्रीज स्थलों पर जाकर लोगों के विचारों को जाना और हमें यह बताते हुए प्रसन्नता होती है कि सभी इंडस्ट्रीज एवं

होंगे।एमएसएमई एक्सपोर्टर एवं इंडस्ट्री के लिए एक पसंद इंटरनेट की छूट भी एक नया मील का पत्थर साबित होगी इससे एक्सपोर्ट एवं उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। जो नई टैक्सटाइल पॉलिमी प्रवेश सरकार द्वारा लाई गई है वह सभी एक्सपोर्टर्स के लिए बहुत ही लाभदायक है, उसके द्वारा अभी सरकार सभी निर्यातकों को फॅक्टरी लगाने के लिए प्लानेटड मशीन दे रही है और फॅक्टरी खरीदने के लिए काफी छूट देने जा रही है। बुजुर्गों के लिए इस बजट में जो प्रावधान किए गए हैं वह अति उत्तम है और 15 लाख की इनवेस्टमेंट की सीमा बढ़ाकर 30 लाख कर दी गई है। यह सब आज की महंगाई और जरूरत को ध्यान में रखते हुए किया गया है ताकि उन्हें अपने जीवन यापन में कोई समस्या न आए। भारत की महिला शक्ति का भी इस बजट में ध्यान रखा गया है अब कोई भी भारतीय महिला दो लाख रुपये तक साल में बैंक में जमा कर सकती है और उसे 7.5 पसैंट के हिसाब से ब्याज मिलेगा यह भी बहुत ही लाभकारी है। इस बजट में विशेषकर युवाओं के लिए स्टार्टअप पर ध्यान दिया गया है, सरकार युवाओं की मदद करना चाहती है उन्हें अब आसानी से बैंक लोन मिलेगा साथ ही फॅक्टरी लगाने के लिए कई आकर्षक सुविधाएँ भी दी जाएगी। कुल मिलाकर यह बजट हर वर्ग के लिए सप्तर्षि बजट है आकर्षक है एवं समाज के कल्याण के लिए है।

समाजवादी पार्टी से विधानसभा प्रत्याशी हो सकते हैं चंद्रप्रकाश छोटू पटेल

(आधुनिक समाचार सेवा) मैहर। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी हो सकते हैं चंद्रप्रकाश छोटू सिंह बात करते हैं मैहर विधानसभा की जहां इस बार 2023 के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं मैहर विधानसभा में एक से बढ़कर एक प्रत्याशी अपना पैतरा आजमाइश करेगे चाहे वह कॉंग्रेस पार्टी हो या भारतीय जनता पार्टी हो चाहे अन्य दल हो वहीं एक और गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले चंद्रप्रकाश पटेल युवाओं के लाडले पिछड़ा वर्ग की आवाज बुलंद करने वाले गरीबों के हित में लड़ने वाले समाजवादी



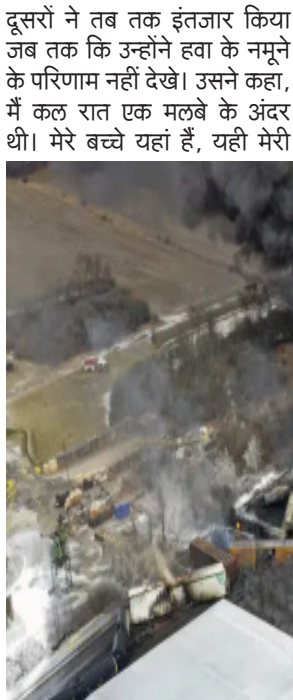
पार्टी के पिछड़ा वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष चंद्रप्रकाश छोटू को समाजवादी पार्टी की तरह समाजवादी का परचम लहरा सकते हैं माना जाता है कि चंद्रप्रकाश छोटू पटेल की ग्रामीण अंचलों में बहुत ज्यादा ही पकड़ है व पिछड़ा वर्ग के लोग चंद्र प्रकाश पटेल छोटू भैया को अपना नेता भी मानते हैं दोहरा सकते हैं 2003 का इतिहास चंद्रप्रकाश छोटू पटेल मैहर विधानसभा के एक छोटे से गांव जरियारी के रहने वाले हैं। उन्होंने बचपन से ही राजनीति करने का प्रप ठान लिया था। जो कि बीते इतने सालों से प्रयास करते-करते आज 2023 में समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

पूर्व फिलिस्तीन में रसायन ले जा रही ट्रेन पटरी से उतरी, आस-पास की हवा हुई जहराली

फिलिस्तीन। पेन्सिलवेनिया राज्य लाइन के पास रसायनों से लदी एक ट्रेन के पटरी से उतर गई। जिसके कारण उस दौरान कई लोग मौके पर फंसे रहे। इस दौरान एक हेनरी नाम की महिला भी काफी डरी हुई थीं। जब उन्हें कहा गया कि अब वह अपने घर जा सकती हैं, मेलिसा हेनरी घबराहट में अपने घर के अंदर चली गईं। घर आकर सबसे पहले उसने अपनी चादरें और तकिए के कवर धोए। फिर उसने अपने रसोई के काउंटर पर बचा हुआ खाना बाहर फेंकना शुरू कर दिया। उसने अपनी सभी खिड़कियाँ भी खोल दीं। उसने कहा, क्या ऐसा करना सही था या नहीं? आप नहीं जानते। यह एक दुस्स्वप्न था और अब भी है। बुधवार को पूर्वी फिलिस्तीन के ओहियो गांव को खाली करने के दौरान निवासियों ने बताया कि पिछले शुकुवार को पटरी से उतरने वाली लगभग 50 कारों में से पांच टैंकरों के नियंत्रित रिलीज और जलने के बाद सैंकड़ों हवा के नमूनों में विषाक्त पदार्थों का कोई खतरनाक स्तर नहीं दिखा। कुछ लोग हेनरी सहित पहले कुछ घंटों के अंदर ही वापस आ गए,

दूसरों ने तब तक इंतजार किया जब तक कि उन्होंने हवा के नमूने के परिणाम नहीं देखे। उसने कहा, मैं कल रात एक मलबे के अंदर थी। मेरे बच्चे यहां हैं, यही मेरी परीक्षण में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गांव की पेयजल व्यवस्था की रोजाना जांच की जा रही है और यह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिक चिंता उनके निवासियों और उनके स्वास्थ्य की है। उन्होंने नॉरफॉक सदर्न को जवाबदेह ठहराने का वादा किया। कोलंबियाना काउंटी ईएमए के निदेशक पैगी क्लार्क ने कहा कि अब तक घरों में वायु परीक्षण के लिए लगभग 300 अनुरोध प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षण में प्रत्येक घर के लिए आधे घंटे का समय लगता है और प्रतिदिन 10 घंटे काम करने वाली चार टीमों द्वारा काम किया जा रहा है। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के जेम्स जस्टिस ने बुधवार को कहा कि समुदाय के आस-पास एयर मॉनिटर से रीडिंग के आधार पर किसी भी घर या व्यवसाय के अंदर विषाक्त पदार्थों का कोई खतरनाक स्तर होने की संभावना नहीं है। पूर्वी फिलिस्तीन में स्कूल, जो ट्रेन के पटरी से उतरने के कारण पूरे सप्ताह बंद रहे थे, अस्थायी रूप से सोमवार को फिर से खोलने की योजना बना रहे हैं।

वह शनिवार को चली गई क्योंकि उनके सबसे छोटे बेटे की आंखें लाल हो गई थीं और वह बहुत खांस रहा था। मेयर ट्रेंट कॉनवे ने स्वीकार किया कि जिस महिला हादसा हुआ



सबसे बड़ी चिंता है। हेनरी और उसके दो लड़के लगभग पांच दिनों तक अपने माता-पिता के साथ रहे और पटरी से उतरने की सफाई का इंतजार करते रहे हैं। उसने कहा, निकासी के आदेश से पहले

11 फरवरी से भाकियू (भानु) का आन्दोलन इमलिया में

(आधुनिक समाचार सेवा) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन भानु के प्रदेश सचिव रवि राघव ने बताया है कि किसान आयोग के गठन और अन्य मुद्दों को लेकर भारतीय किसान यूनियन भानु , 11 फरवरी से इमलिया उम्मरगढ़ टूंडला फिरोजाबाद में अनिश्चित कालीन किसान आंदोलन शुरू करने जा रही है किसान नेता ने बताया है कि भारतीय किसान यूनियन भानु केन्द्र सरकार से काफ़ी समय से किसान आयोग के गठन

की मांग कर रही है लेकिन केन्द्र सरकार ने इस पर अभी तक कोई फ़ैसला नहीं लिया है इसलिए किसानों को आंदोलन शुरू करना पड़ रहा है। रवि राघव ने कहा है कि किसान आयोग का अध्यक्ष और सदस्य किसान ही होने चाहिए और किसानों का पूरा कर्जा माफ़ किया जाना चाहिए और किसानों को ही अपनी फसल का दाम तय करने का अधिकार मिलना चाहिए।

बिमटेक बिजनेस लिटरेचर फेस्टिवल 2023 के तीसरे संस्करण में बिजनेस साहित्य की दुनिया के दिग्गज जुटे

(आधुनिक समाचार सेवा) नोएडा। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने पेंग्विन रैंडम हाउस के साथ मिलकर आज अपने वार्षिक बिमटेक बिजनेस लिटरेचर फेस्टिवल 2023 के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया। यह साहित्यिक सम्मेलन प्रबंधन छात्रों

लॉन्च, समीक्षा और सूचनात्मक मास्टरक्लास की एक श्रृंखला के लिए उद्योग में कुछ प्रतिभाशाली दिमागों को एक साथ लाता है। पेंगुइन रैंडम हाउस, हार्पर कॉलिन्स, कुजुम बुक्स और रूपा प्रकाशन जैसे प्रमुख प्रकाशन गृहों द्वारा विशेष लेखक हस्ताक्षर सत्र और

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि आम बजट 2023-24 में नई आय कर प्रणाली को लागू करने की जो व्यवस्था की गई है उससे आम जनता के हाथ में खर्च करने के लिए ज्यादा राशि बचेगी। लोकसभा में आम बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने बजट में उठाये गये कदमों के बारे में बताते हुए उक्त बात कही। वित्त मंत्री ने बजट को बताया संतुलित वित्त मंत्री ने 01 फरवरी, 2023 को पेश बजट को राजकोषीय हालात को ध्यान में रख कर तैयार किया गया एक बेहद ही संतुलित बजट बताया जो

मध्यम वर्ग व ग्रामीण जनता के साथ ही रोजगार सृजन व ग्रीन ग्रोथ पर भी ध्यान दे रही है, ताकि भारतले वित्त वर्ष के दौरान भी अगले को दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना कर रखेगा।पूंजीगत खर्च के मद में 10 लाख करोड़ रुपये की राशि को खर्च करने के प्रस्ताव को सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को तेजी देने के साथ ही बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने वाला कदम बताया। वित्त मंत्री सीतारमण ने विपक्ष की तरफ से लगाए गए आरोपों का गिन-गिन कर जवाब दिया। चाहे राज्यों को फंड वितरण का मामला हो।



और व्यावसायिक पेशेवरों को व्यवसाय की दुनिया में नवीनतम रुझानों और विकास पर विचारोत्तेजक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक साथ ला रहा है। इस उत्सव का उद्घाटन श्री भूपेंद्र यादव, द राइज ऑफ द बीजेपी: द मैकिंग ऑफ द वर्ल्ड्स लार्जस्ट पॉलिटिकल पार्टी पुस्तक के सह-लेखक, और केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री और पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्री द्वारा किया गया था। परिवर्तन। आधुनिक व्यावसायिक अभ्यास को आकार देने और प्रभावित करने में साहित्य के महत्व पर मुख्य भाषण देते हुए, मुख्य अतिथि, श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि दिवसीय उत्सव स्पष्ट वार्ता, पैनल चर्चा, पुस्तक-

बुक स्टॉल भी स्थापित किए गए हैं। इस उत्सव में हरीश भट्ट, ब्रांड कस्टोडियन-टाटा संस, टाटा सीरीज और टाटा लाग के लेखक, किरण कार्णिक, निर्णायक दशक के लेखक, सुश्री क्रिस्टीन अमौर-लेवर, वाइल्ड विजडम के लेखक, जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल हैं। इस त्यौहार को प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया, जैसे कि प्रिन्सस्तान के लेखक श्री भरत वखलू, द वखलू एडवाइजरी के संस्थापक, टाटा के लीडरशिप एक्सपेरिमेंट और परमेश साहनी; भारतीय कार्यस्थल में समावेश, गोदरेज इंडिया कल्चर लैब के संस्थापक, समावेश। गणमान्य व्यक्ति एक पर अंतर्दृष्टि और अनुभव

साझा कर रहे हैं विषयों की श्रेणी, नवाचार और उद्यमिता से लेकर कॉर्पोरेट रणनीति और नेचुरल तक। विमटेक के निदेशक डॉ. हरिवंश चतुर्वेदी ने कहा, पढ़ना एक छात्र और शिक्षाविदों के जीवन का एक अभिन्न अंग है। उनके लिए इस उत्सव के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ

जाकर दूसरों की कहानियों और अनुभवों के माध्यम से सीखने पर जोर देता है। इसका उद्देश्य छात्रों और पेशेवरों के बीच व्यावसायिक साहित्य पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष के लाइवअप में लेखक श्री अंकित श्याम; पीकेडी नाबियार; और प्रो. भरत व. देसाई ने क्रमशः अपनी पुस्तकों एनविजनिंग अवर एनवायरनमेंटल फ्यूचर का अनावरण किया।पेंग्विन रैंडम हाउस की कार्यकारी संपादक सुश्री राधिका मारवाह के सहयोग से बिमटेक ने 'राइट टैट बुक! लेखन और प्रकाशन पर एक मास्टरक्लास' कपिल मेहता, जो एक लेखक हैं और सिक्योरनाउ इंडियोरेंस ब्रोकर के सह-संस्थापक हैं, के साथ 'हैपीली इश्योर्ड: गाइड टू अंडरस्टैंडिंग इश्योरेंस एंड लीडिंग ए स्ट्रेस-फ्री लाइफ' पर एक अन्य बैट्रिक टेकअवे मास्टरक्लास था।आर एन भास्कर, गौतम अडानी: रीडमैजिंग बिजनेस इन इंडिया एंड द वर्ल्ड्स के लेखक और हरीश भट, टाटा संस के ब्रांड कस्टोडियन के लेखक ने व्यवसाय और शैक्षणिक के बीच की खाई को पाट दिया दुनिया भर में उनके व्यावहारिक उद्योग से संबंधित प्रस्तुतियों वें माध्यम से।फायरसाइड चैंट में, निर्णायक दशक के लेखक श्री किरण कार्णिक और द मोरल कमपास: फाइंडिंग बैलेंस एंड पर्पस इन एन इम्परफेक्ट वर्ल्ड के लेखक श्री हरदयाल सिंह ने भारत पर एक विचारोत्तेजक चर्चा की। : द रोड अहेड और एक विकसित वैश्विक परिदृश्य में भारत की संभावित भूमिका पर मूल्यान अंतर्दृष्टि प्रदान की।समापन भाषण द वखलू एडवाइजरी टीडब्ल्यू के संस्थापक, रेसिलिएंट लीडरशिप एंड चेंज मास्टर के सह-संस्थापक और पूर्व-टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज और बेस्टसेलिंग लेखक श्री भरत वखलू का था।

भूकंप से जान गंवाने वालों की संख्या 21,000 से अधिक अभी भी मलबे में फंसे हुए हजारों लोग

अंकारा। तुर्किये और सीरिया में सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती दर्ज की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अबतक 21,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। तकरीबन, 17 हजार से ज्यादा लोग तुर्किये में मारे जा चुके हैं। वहीं, सीरिया में 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इस आपदा में 70,347 लोग घायल हो चुके हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेडरोस अदनोम गेब्रेहेसुस सीरिया के लिए रवाना हुए। टेडरोस अदनोम गेब्रेहेसुस ने टवीट करते हुए लिखा, 'मैं सीरिया जा रहा हूँ, जहां डब्ल्यूएचओ द्वारा जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराया जा रहा है।' अंटाकिया के पूर्व में स्थित दियारबाकिर में बचाव दल ने एक घायल महिला को सुबह एक ढही हुई इमारत से करीब 72 घंटे बाद जीवित निकाल लिया। महिला के साथ के तीन लोग

हालांकि मलबे में मृत पाए गए। अंटाकिया में ही एक महिला सेरप असलान उस इमारत के मलबे को



नम आखों से देख रही थी, जिसके तले उसकी मां और भाई दबे हुए हैं। यहां भारी मात्रा में मौजूद मलबे को हटाने का काम अब जाकर शुरू हुआ है। उधर, विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर-पश्चिमी सीरिया में बृहस्पतिवार की सुबह संयुक्त राष्ट्र

का एक सहायता ट्रक पहुंचा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि आपरेशन दोस्त के तहत

अपने आधिकारिक टिवटर हैंडल पर विदेश मंत्रालय ने तुर्किये में चलाए जा रहे अपने एक मोबाइल अस्पताल की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जहां चिकित्सा विशेषज्ञ आपात स्थिति में लोगों का इलाज कर रहे हैं। उधर, भूकंप प्रभावित तुर्किये में राहत और बचाव कार्यों में लगी भारत की एनडीआरएफ टीम ने गाजियांटेप में मलबे के नीचे से एक छह वर्षीय बच्ची को जिंदा बचाया है। राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन को सरकार के बचाव व राहत के धीमे प्रयासों को लेकर आलोचना झेलनी पड़ रही है। आक्रोशित लोग सरकार से पूछ रहे हैं कि पिछले करीब ढाई दशक से भूकंप के नाम पर जो टैक्स वसूल गया, वह रकम कहाँ है? हिंसा दो। विनाश की इस घड़ी में उस रकम का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा। बता दें कि भूकंप व अन्य प्राकृतिक आपदा से निपटने के नाम पर तुर्किये में सरकार 'स्पेशल कम्युनिकेशन टैक्स' वसूलती है।

कब जारी होगी पीएम किसान सम्मान निधि की 13वीं किस्त, जानिए अब तक के सभी अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किस्त का इंतजार कर रहे

किस्त देने की तैयारियों में लगी है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार जल्द ही इस योजना की अगली किस्त का पैसा जारी कर सकती है। आपको बता दें कि लगभग दो करोड़ किसान पीएम किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त से रूक गए थे। किस्तों के चूक गए थे। तमाम गड़बड़ियां पाई गई थीं। बहुत से लोगों के खण्ड रिकॉर्ड में गड़बड़ी थी।

रहे, जिन्होंने भू-लेखों को सत्यापित नहीं कराया था।इन सभी लोगों को पीएम किसान की 12वीं किस्त नहीं जारी की गई थी। इस बार सरकार इस बात को सुनिश्चित कर रही है कि सभी पात्र किसानों को किसानों सम्मान निधि का पैसा समय पर मिले। नहीं बढ़ेगा पीएम किसान योजना का पैसा सरकार ने मंगलवार को संसद को सूचित किया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत राशि बढ़ाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। वर्तमान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रति लाभार्थी 6,000 रुपये दिए

किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सरकार देश भर में करोड़ों किसानों को पीएम किसान योजना की 13वीं

हजारों लोग ऐसे भी थे, जो गलत दस्तावेजों के सहारे पीएम किसान का पैसा ले रहे थे। बहुत से लोग ऐसे भी

जाते हैं। को फरवरी 2019 में लॉन्च किया गया था, लेकिन इसे लागू दिसंबर 2018 से किया गया था।योजना के तहत पात्र किसानों को हर चार महीने में 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये दिए जाते हैं। ये राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है। इन्हें लाभार्थियों को दिया गया है पैसा कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकसभा में कहा कि इस साल 30 जनवरी तक पात्र किसानों को 2.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता पीएम किसान योजना के तहत दी जा चुकी है।



पीएम किसान 13वीं किस्त

बिग बॉस में इन फैसलों ने पलट दिया पूरा गेम, फिनाले से पहले दिखाए गए यह तगड़े ट्विस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। टीवी के सबसे कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस के 16वें सीजन का अंत बस दो दिन की दूरी पर है। 12 फरवरी को पूरे देश को मालूम हो जाएगा

प्राइज मनी वाले पार्ट में ट्विस्ट ला दिया है। यानी कि यह संभव है कि कंटेस्टेंट को प्राइज मनी उसकी परफॉर्मंस और पॉपुलैरिटी के हिसाब से मिले। बिग बॉस ने प्राइज मनी के हिसाब से कंटेस्टेंट्स को तीन

ट्विस्ट टिकट टू फिनाले भी रहा। ट्विस्ट यह रखा गया कि जो भी घर का कैप्टन होगा, उसे टिकट टू फिनाले वीक में एंट्री होगी। वह फिनाले का पहला फाइनलिस्ट भी होगा। इसके लिए कंटेस्टेंट्स को

अधूरी रह गई प्यार की कहानी ये ट्रैजिक लव स्टोरीज देख भर आयीं ऑडियंस की आंखें

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। जब किसी इंसान को प्यार होता है, तो वह उसे अपना बनाने में पूरी जान लगा देता है। लेकिन हर प्यार करने वाले को अपनी मंजिल मिले, ये जरूरी नहीं है। बॉलीवुड में करण जौहर ने कुछ-कुछ होता है से लेकर कभी अलविदा ना कहना तक में प्यार के अलग-अलग रंग दिखाए। तो वहीं आज भी जब बॉलीवुड में रोमांस की बात होती है, तो लोगों की जुबान पर पहला नाम यश चोपड़ा का होता है। बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान ने रोमांस को एक नई परिभाषा दी और वह किंग ऑफ रोमांस बन गए। हालांकि, इन सबके बीच बॉलीवुड में कई फिल्में ऐसी आईं, जिसमें इस सच्चाई को उजागर किया गया कि प्यार का अंत हमेशा अच्छा नहीं होता, कभी-कभी उसमें बहुत दर्द सहना पड़ता है। आज हम अपने इस आर्टिकल में आपको उन फिल्मों के बारे में बताते जा रहे हैं, जिनमें

प्यार तो किरदारों के बीच हुआ, लेकिन उन्हें उनकी मंजिल नहीं मिली। लव स्टोरी का ये अंजाम

अपने भाई शेखर(शशि कपूर) के निधन के बाद अमित मल्होत्रा(अमिताभ बच्चन) के



देखकर दर्शकों की आंखों से भी आंसू निकल गए। सिलसिला साल 1981 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' की कहानी आज भी लोगों को याद है। इस फिल्म में रेखा, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। ऐसा माना जाता है कि ये फिल्म इन तीनों स्टार्स की असल जिंदगी से भी प्रेरित है। ये फिल्म एक ट्रैजिक लव स्टोरी है, जहां

किरदार को शेखर की गर्भवती पत्नी शोभा (जया बच्चन) से शादी करनी पड़ती है। अपने कर्तव्य के लिए अमिताभ बच्चन चांदनी(रेखा) से उसे भूलने के लिए कहते हैं, जिससे उनका दिल पूरी तरह टूट जाता है। ये रेखा के साथ अमिताभ बच्चन की आखिरी फिल्म थी। संजय लीला भंसाली की साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'देवदास' ने बॉक्स ऑफिस पर भले ही करोड़ों का बिजनेस

किया हो, लेकिन इस फिल्म में थिएटर से निकले लोगों की आंखें नम कर दीं। देव-पारो की ट्रैजिक लव स्टोरी देखकर हर किसी का दिल भर गया। अपने प्यार और परिवार के बीच फंसा हुआ देव(शाह रुख खान) की जिंदगी का अंत इस फिल्म में बेहद दर्दनाक है। देव और पारो को फिल्म के अंत में ना तो एक-दूजे का प्यार मिला और ना ही चंद्रमुखी को उसके प्यार की मंजिल मिली। 1981 में सिलसिला के अलावा एक और फिल्म थी, जिसने लव-स्टोरी के ट्रैजिक एंड को बड़ी ही खूबसूरती के साथ परेश पर दर्शाया। इस फिल्म का नाम था 'एक-दूजे के लिए'। फिल्म में कमल हासन और रति अग्निहोत्री ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म में कमल हासन ने एक तमिल आदमी, वासु का किरदार निभाया था, जिसे सपना नाम की लड़की से प्यार हो जाता है। दोनों के माता-पिता एक-दूसरे के परिवार को तुच्छ मानते हैं। जब वासु और सपना अपने प्यार को स्वीकार करते हैं, तो परिवार दोनों को अलग करने

सारा अली खान को छूने की एयरपोर्ट पर की गई कोशिश, सहम गई एक्ट्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। फिल्म एक्ट्रेस सारा अली खान को मुंबई एयरपोर्ट पर हाल ही में स्पॉट किया गया था। ऐसे में एक फैन ने उनके चेहरे को

वापस आ रही थी। हालांकि, जिस प्रकार उन्होंने इन सारी चीजों को हैंडल किया है। इसे लेकर उनके फैंस उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। सारा अली खान को एयरपोर्ट पर

के साथ सेल्फी भी ली और उनके साथ अच्छा व्यवहार भी किया। इसी दौरान एक महिला ने उनसे पहले हाथ मिलाया और उनके गालों को छूने का प्रयास किया। यह देखकर सारा अली खान सहम गईं। हालांकि, उन्होंने अपने आपको नियंत्रित रखा और बिना किसी अन्य प्रतिक्रिया दिए वह आगे बढ़ गईं। इस पूरे मामले को देखकर फैंस की मिल रही प्रतिक्रियाएं दमदार हैं। सारा ने सलवार, सूट और पिक दुपट्टा ले रखा है। वहीं, वह फोटो क्लिक कराती नजर रही है। एक ने लिखा है, 'यह महिला उसकी ज्वेलरी चोरी करने का प्रयास कर रही है यह कितना बुरा है।' वहीं एक ने लिखा है, 'कोई किसी की निजी स्पेस में कैसे घुस सकता है।' सारा को शांत रहने के लिए बधाई। एक ने लिखा है, 'सारा बहुत मैच्योर हो गई हैं। उनकी मम्मी ने उनको बहुत ही अच्छे से पाल पोसकर बड़ा किया है। उनकी विनम्रता देखने लायक है।' सारा अली खान सैफ अली खान की बेटी हैं। वह हाल ही में उदयपुर में अपनी मां के साथ ट्रिप पर गई थीं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 2018 में केदारनाथ से डेब्यू किया था।



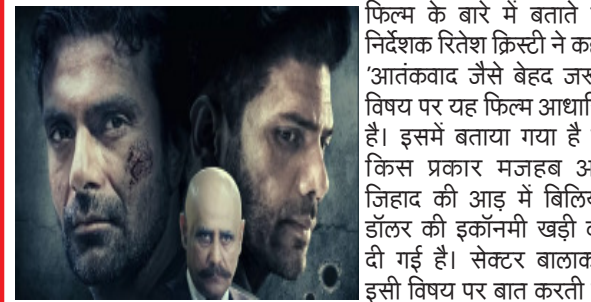
छूने की कोशिश की। पहले वह हाथ मिलाती हैं। इसके बाद वह एका करती नजर आती हैं। यह सारा माजरा कैमरे में कैद हो गया है। सारा अली खान राजस्थान से

गुरुवार को स्पॉट किया गया सारा अली खान को एयरपोर्ट पर गुरुवार को स्पॉट किया गया। वीडियो के अनुसार वह रास्ते में कई फैंस से मिलती नजर आईं। उन्होंने फैंस

आतंकवाद कैसे बना खरबों रुपया का व्यापार बताती है अश्विमत पटेल की फिल्म सेक्टर बालाकोट अ वॉर इकॉनमी

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता अश्विमत पटेल की जल्द फिल्म सेक्टर बालाकोट रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर पता चलता है कि अश्विमत

का प्रयास कर रही है। फिल्म में अश्विमत पटेल के अलावा फेमिना मिस इंडिया जिनाल पंड्या, स्पेशल 26 में नजर आए विपुल गुप्ता और पुनीत इस्कर की भी अलग भूमिका है। वहीं इस फिल्म का निर्देशन हितेश क्रिस्टी ने किया है। इस फिल्म के बारे में बताते हुए निर्देशक रितेश क्रिस्टी ने कहा, 'आतंकवाद जैसे बेहद जरूरी विषय पर यह फिल्म आधारित है। इसमें बताया गया है कि किस प्रकार मजहब और जिहाद की आड़ में बिलियन डॉलर की इकॉनमी खड़ी कर दी गई है। सेक्टर बालाकोट इसी विषय पर बात करती है।



पटेल फिल्म में एक सुसाइड जिहादी की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, ट्रेलर के माध्यम से यह भी बताया गया है कि वह एनआईए के कब्जे में है और अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं। ट्रेलर देखकर पता चलता है कि यह फिल्म आतंकवाद और उससे जुड़ी इकॉनमी पर आधारित है। फिल्म का टाइटल भी यही कहता है, 'सेक्टर बालाकोट अ वॉर इकॉनमी।' यह फिल्म 17 फरवरी को रिलीज होगी है। फिल्म आतंकवाद को नया नजरिया देने

इसमें यह समझने का प्रयास किया गया है कि कसाब जैसे आतंकी मोहरे होते हैं लेकिन उन्हें दंड पर लाने वाले जिहादी अरबों-खरबों का खेल खेलते हैं। अश्विमत पटेल फिल्म अभिनेता हैं। उन्होंने कई टेलीविजन शो में भी काम किया है। इससे अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुके हैं। उनके गाने काफी पसंद किए गए थे। उनका रिया सेन के साथ एक एएमएस लोक हुआ था। इसके बाद वह काफी चर्चा में आ गए थे।



कि इस सीजन की ट्रॉफी किसने नसीब में गई। मगर तब तक एक किचक रीकैप लेते हैं अब तक के मजेदार ट्विस्ट पर, जिसने न सिर्फ मेकर्स को टीआरपी दी बल्कि दर्शकों को भी बहुत एंटरटेन किया। अंकित गुप्ता का एक्विशन बिग बॉस सीजन का सबसे बड़ा झटका कई सारे लोगों के फेवरेट रहे अंकित गुप्ता का एक्विशन रहा है। उन्हें ऑडियंस के वोट से नहीं, बल्कि घरवालों के वोट से बाहर किया गया, जो कि आज कर बिग बॉस के इतिहास में कभी नहीं हुआ। अंकित गुप्ता का एक्विशन शॉकिंग ही नहीं अनफेयर भी था। उन्हें अचानक बेघर किए जाने से फैंस ने मेकर्स के खिलाफ काफी भड़ास निकाली थी। फिनाले करीब है और ऐसे में बिग बॉस ने

हिस्सों में बांट दिया है। यह कैटेगरी है- हाइपर एक्टिव, एक्टिव और लॉस्ट। द खबरी ने इस बारे में नौ जनवरी को इंस्टा पर जानकारी दी थी। बिग बॉस 16 का एक शॉकिंग ट्विस्ट गौतम विग का राशन की कुर्बानी देना भी रहा। शो में एक एपिसोड में सलमान खान ने गौतम विग को ऑफर दिया था कि या तो वह कैटेसी भूल जाएं। या फिर कैप्टन बनने के लिए राशन को गंवा दें। गौतम ने कैटेसी को चुना और उनकी यही फंसला उनके गले की फांस बन गया। इस ट्विस्ट के बाद न सिर्फ गौतम को घरवालों की नाराजगी का सामना कर पड़ा, बल्कि उनका सफर भी ज्यादा लंबा नहीं चला। इस बार कैटेसी के साथ 16वें सीजन का सबसे बड़ा

एक टास्क दिया गया था, जिसमें निमूत की जीत हुई। इसी के साथ निमूत शो की पहली फाइनलिस्ट बनीं। लेकिन उनका यू फिनाले तक पहुंचना यूजर्स को रास नहीं आया। यही वजह रही कि जब टॉप 5 के लिए वोटिंग ऑडियंस के हाथ में आई, तो उन्होंने निमूत को बाहर कर दिया। उनका एक्विशन रातोरात हुआ। इतने सारे ट्विस्ट के बीच एक ट्विस्ट होस्ट सलमान खान का बीच में ही शो से जाना भी है। ऐसा किसी सीजन में नहीं हुआ कि सलमान ने बीच में बतौर होस्ट अपनी जिम्मेदारी किसी और को दी हो। लेकिन इस सीजन में उनकी जगह बीच-बीच में करण जौहर और फरहा खान को देखा गया। सलमान अब सीधे फिनाले में दर्शन देंगे।

लियोनार्दो हुए असम सरकार के फैन

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। हॉलीवुड अभिनेता लियोनार्दो डिक्प्रियो असम सरकार के प्रयासों से काफी खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल उत्तर-पूर्व के भारतीय राज्य में राइनों पोंचिंग आम बात थी लेकिन असम सरकार के अथक प्रयासों से 21-22 में एक भी राइनों का शिकार नहीं हो

पाया। इस बात से लियोनार्दो डिक्प्रियो काफी खुश नजर आए। उन्होंने उत्तर-पूर्व के राज्य में राइनों पोंचिंग पर रोक लगाने में सफल हुई सरकार को बधाई दी है। लियोनार्दो डिक्प्रियो ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है लियोनार्दो डिक्प्रियो ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इसके

साथ उन्होंने काजीरंगा नेशनल पार्क में विलुप्त होने की श्रेणी में आए जानवर को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयास कार्यों की सराहना की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा है, '2021 में भारतीय राज्य असम की सरकार में एक सिंगी राइनों के शिकार पर रोक लगाने का निर्णय लिया था।

केजीएफ 2 के बाद अब पठान तोड़ेगी इस फिल्म का रिकॉर्ड, तीसरे हफ्ते में दमदार कलेक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। शाह रुख खान की फिल्म पठान बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। 25 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज तीन हफ्तों में ही एक अच्छी-खासी कमाई कर ली है। घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ दुनियाभर में फिल्म ये फिल्म सफलता के झंडे गाड़ रही है। तीसरे हफ्ते में आकर इस फिल्म की रफ्तार थोड़ी धीमी जरूर पड़ी है, लेकिन तीसरे वीकेंड पर भी ऑडियंस को ये उम्मीद है कि ये फिल्म अच्छी खासी कमाई कर सकती है। 16वें दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की चलिए जानते हैं। 16वें दिन पठान का ऐसा रहा कलेक्शन यशराज बैंकर तले बनी शाह रुख खान और दीपिका पादुकोण स्पॉट लाइटर फिल्म लोगों को थिएटर तक लाने में कामयाब रही है। इस फिल्म की सफलता को देखने के बाद ये कहना बिकूल भी गलत



364 करोड़ के आसपास की कमाई करने वाली इस फिल्म ने तीसरे हफ्ते में 450 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 16वें दिन इस फिल्म के कलेक्शन में गिरावट आई है। इस फिल्म ने गुरुवार को टोटल

हिंदी में 5.82 करोड़ की कमाई की है। अब तक इंडियन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म टोटल 458.99 करोड़ सिर्फ चार लाख रुपए ही कमा पाई, इसके अलावा तमिल भाषा में इस फिल्म ने 18 लाख का 16वें दिन बिजनेस किया। 16वें दिन तक इस फिल्म ने हिंदी में टोटल 442 करोड़, तेलुगु में इस फिल्म ने 11.13 करोड़ और तमिल में इस फिल्म ने 5.29 करोड़ का बिजनेस किया। शाह रुख खान की फिल्म की पठान की बात की जाए, तो ये फिल्म सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 का क्रॉसओवर है। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, शाह रुख खान के अलावा जॉन अब्राहम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाह रुख खान की फिल्म पठान पहले ही यश की पैन इंडिया रिलीज फिल्म 'केजीएफ-2' का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और अब जिस रफ्तार से ये फिल्म आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए ये कहना बिकूल गलत नहीं होगा कि फिल्म इस वीकेंड में जल्द ही 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी और इंडियन बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म 'बाहुबली 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी।

गुरुवार को स्पॉट किया गया सारा अली खान को एयरपोर्ट पर गुरुवार को स्पॉट किया गया। वीडियो के अनुसार वह रास्ते में कई फैंस से मिलती नजर आईं। उन्होंने फैंस

फिनाले से पहले निकलेगी इन कंटेस्टेंट्स की चीख, रोहित शेट्टी को देख थम जाएंगी सांसें

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से

गया, जिसने दर्शकों के दिलों की धड़कन बढ़ा दी। अब पांचों

लेकर घर में प्रवेश करते हैं। इनकी ट्रेडी भी फिल्मों की ही तरह कांच



बिग बॉस 16 ने दर्शकों को टीवी स्क्रीन से जोड़े रखा। इस बार का सीजन काफी हिट भी रहा, ऐसे में बिग बॉस के फिनाले को लेकर फैंस और भी ज्यादा एक्साइटड हैं। हाल ही में घर में बचे पांच कंटेस्टेंट्स को उनका जर्नी वीडियो दिखाया

फाइनलिस्ट के लिए एक और खुशखबरी, घर में एंटर करने वाली है। फिल्म मेकर और खतरों के खिलाड़ी के होस्ट रोहित शेट्टी को धमाकेदार अंदाज में घर में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है। रोहित, कंटेस्टेंट्स के लिए एक सरप्राइज

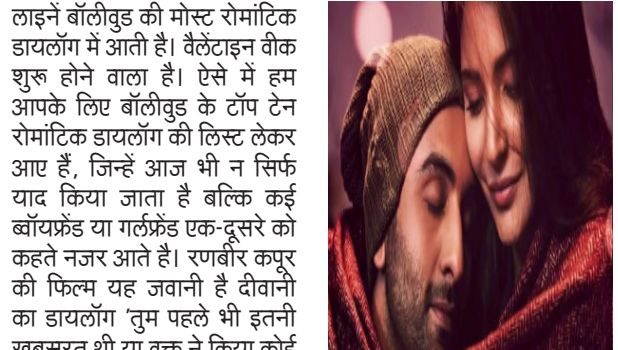
का दरवाजा तोड़कर होती है। फिल्म मेकर से मिलने के लिए बिग बॉस टॉप 5 गार्डन एरिया में इक्कठे होते हैं। रोहित शेट्टी, दर्शकों के साथ साझा करते हैं कि प्रतियोगियों को जल्द ही खतरनाक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि

ये खबर पहले भी आ चुकी है कि शिव ठाकरे बिग बॉस के बाद खतरों के खिलाड़ी के नए सीजन में नजर आने वाले हैं। निमूत भी शिव को कई बार बोल चुकी हैं कि तुम तो खतरों के खिलाड़ी में जाने वाले हो। याद दिला दें कि घर में ज्योतिषी ने भी शिव को कुछ ऐसे ही हिट किए थे और कहा था कि तुम्हारा भविष्य काफी उज्ज्वल है। बिग बॉस 16 का फिनाले 12 फरवरी को होगा और दबंग एक्टर सलमान खान, शो को होस्ट करने के लिए वापस आएंगे। लेटेस्ट एपिसोड में, बिग बॉस ने प्रियंका चाहर चौधरी और शालीन भनोट को उनका जर्नी वीडियो दिखाया। जिसे देखकर दोनों इमोशनल हो गए। उन्होंने बिग बॉस को धन्यवाद दिया। एक ही अन्य प्रोमो में, शिव ठाकरे, एमसी स्टैन, अर्चना गौतम को अपनी जर्नी का वीडियो देखने का मौका मिला। शिव ठाकरे मंच की ओर चलते हैं और बिग बॉस 'यारों का यार' और मंडली का 'दिल और दिमाग' कहकर उनकी तारीफ करते हैं।

तुम्हारे इश्क से बनी हूं मैं, पहले जिंदा थी अब जी रही हूं मैं

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। तुम पहले भी इतनी खूबसूरत थी या वक्त ने यूं किया हसीं सितम, तुम्हारे जैसी लड़कियां फ्लॉटिंग के लिए नहीं होती या तुम्हारी स्माइल कितनी डेंजरस है। यह लाइनें बॉलीवुड की मोस्ट रोमांटिक डायलॉग में आती हैं। वैलेंटाइन वीक शुरू होने वाला है। ऐसे में हम आपके लिए बॉलीवुड के टॉप टेन रोमांटिक डायलॉग की लिस्ट लेकर आए हैं, जिन्हें आज भी न सिर्फ याद किया जाता है बल्कि कई बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड एक-दूसरे को कहते नजर आते हैं। रणबीर कपूर की फिल्म 'तुम जवानि हैं दीवाने का डायलॉग 'तुम पहले भी इतनी खूबसूरत थी या वक्त ने किया कोई

हंसी सितम पर आज भी इंस्टाग्राम रील बनाए जाते हैं। वहीं, इसी फिल्म का दूसरा डायलॉग, 'तुम्हारे जैसी लड़कियां फ्लॉटिंग के लिए नहीं इश्क के लिए बनी हैं।' इस भी काफी पसंद किया गया था।



364 करोड़ के आसपास की कमाई करने वाली इस फिल्म ने तीसरे हफ्ते में 450 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 16वें दिन इस फिल्म के कलेक्शन में गिरावट आई है। इस फिल्म ने गुरुवार को टोटल

आदिल के जेल जाने से अकेली पड़ीं राखी, एक्स हसबैंड रितेश का आया रिएक्शन, बोले- 'मैं तैयार हूं'

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। राखी सावंत के जीवन में इस वक्त तूफान आ गया है। उन्होंने पति आदिल खान दुर्रानी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उन्हें अरेस्ट करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। राखी ने आदिल पर डेढ़ करोड़ के गबन और घरेलू हिंसा की धाराओं में केस दर्ज कराया है। इतने बुरे समय में राखी के एक्स हसबैंड रितेश सिंह का भी रिएक्शन सामने आया है। राखी सावंत के एक्स हसबैंड का रिएक्शन रितेश सिंह, राखी सावंत

के एक्स हसबैंड रह चुके हैं। बिग बॉस 15 में दोनों ने साथ में एंट्री ली

ही में रितेश ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा-



थी। कुछ समय बाद ही इन दोनों के बीच अलगाव हो गया और राखी की जिंदगी में आदिल आ गए। हाल



में राखी की जिंदगी में वापस नहीं जा रहा हूं, ना ही उनके और आदिल के बीच आने का मेरा कोई इरादा

है। अपनी पोस्ट के बारे में विस्तार से बताते हुए रितेश ने ई-टाइम्स से कहा, 'राखी को बात करनी पड़ेगी। मुझे पता है कि वह मेस में कैसे उतरी, लेकिन उसे पहले बोलना चाहिए। फिर, मैं इस मुद्दे में आ सकता हूं। मुझे सब पता है। मुझे लग रहा है कि राखी के साथ ये सब दोबारा कैसे हो गया। मेरे साथ भी ये सब हुआ है इसका मतलब ये नहीं कि मैं गलत हूँ। इसी तरह राखी भी गलत नहीं है। राखी मेरे लिए जरूरी है, मेरे माता-पिता के बाद उसने ही मुझे इतना प्यार दिया। उन्होंने यह भी

खुलासा किया कि राखी ने उनसे बताया था कि कैसे आदिल उनके साथ मिसबिहेव करता है। रितेश ने कहा कि उन्होंने राखी को सलाह दी थी कि 'जो तुझे संभाल सके ऐसे लड़के साथ रहे'। जहां तक मेरा सवाल है, राखी मेरे बारे में पहले से सब कुछ जानती थी। इसलिए, मैं उसे कभी धोखा नहीं दे रहा था। नहीं, मैंने अपनी लव लाइफ खत्म कर दी है। मैं बहुत इमोशनल इंसान हूँ। मैं फिर से दर्द से नहीं गुजरना चाहता।' साथ ही यहां मैं आपको बता दूँ कि मैंने राखी को कभी धोखा नहीं दिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा० दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक, प्रकाशक
डा० पुनीत अरोरा
मो० न० 09415608710
RNI.No. UPHN/2015/63398
website: www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित
समस्त समाचारों के चयन एवं
सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एकन के
अनन्तगत उत्तरदायी तथा इनके
उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद
न्यायालय के अधीन ही होंगे।